卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्यय सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवहि जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 199 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦26 अप्रैल 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

गला रेतकर श्रमिक की निर्मम हत्या

विवाद किसी से हत्या कसी और की, मामूली बात पर गुस्से में पागल हुआ आरोपी

सितारगंज(उद संवाददाता)। जीआईसी के सामने दिलदहलाने वाली वारदात में दूसरे से बीड़ी मांगने को लेकर विवाद में मजदूर ने गणेश मंदिर सितारगंज निवासी एक युवक की धारदार हथियार से वार कर निर्मम हत्या दी। हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इधर, मृतक की पत्नी जब पति को अस्पताल देखने गई तो खून से लथपथ देखकर उसकी हालत बिगड़ गई। वह मौके पर बेहोश हो गई। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार राजकीय इंटर कालेज

के पास रोजाना दिहाड़ी मजदूर एकत्र होते हैं। बुधवार को भी दिहाड़ी पर जाने वाले मजदूर यहां जुटे थे। इस दौरान बली नगर वार्ड नं01 निवासी हनीफ पुत्र अब्दुल करीम नाम के मजदूर ने तौफीक से बीड़ी मांगी। तौफीक ने बीड़ी देने से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। इसी बात से नाराज हनीफ ने तौफीक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद तौफीक मामले की शिकायत लेकर कोतवाली जाने लगा। हनीफ इससे और आग बबूला हो गया। वह पास में स्थित एक मीट की दुकान पर गया और चाकू ले आया। इस बीच तौफीक वहां से जा चुका था। हनीफ इतना गुस्से में था कि वह यह भी नहीं पहचान सका कि उसका किससे विवाद हुआ था। इस बीच उसने पीलीभीत जिले के थाना अमरिया ग्राम पोटा व हाल गणेश मंदिर सितारगंज निवासी रंजन पुत्र मिश्री लाल की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी। इतना ही नहीं उसने इसके बाद भी रंजन पर चाकू से कर वार किए। सूचना पर पुलिस और आसपास के लोग लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मजदूर की हत्या के बाद सनसनी (शेष पृष्ठ सात पर)

बाइक खाई में गिरने से एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर

गुप्तकाशी (उद ब्यूरो)। बाइक खाई में गिरने से एक युवक की मौत हो गयी जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने खाई से बमुश्किल मृतक और घायल को निकाला। जानकारी के अनुसार पुलिस को रात करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि दो व्यक्ति खाई में घायल अवस्था में पड़े हैं जिनके मोबाइल चल रहे हैं मोबाइल की लोकेशन के आधार उन घायलों की ढूंढ खोज की गई तो मदन फर्नीचर, सेमी के पास मोड़ पर सड़क से करीब 50 मीटर नीचे एक व्यक्ति घायल अवस्था में तथा एक व्यक्ति बेहोशी में मिला तथा एक के उपर मोटरसाइकिल गिरी थी। दोनो को लोगो की मदद से खाई से निकलकर पुलिस की गाड़ियों से सरकारी हॉस्पिटल गुप्तकाशी मे दाखिल (शेष पृष्ठ सात पर)

देव डेलियां पहुंची बदरीनाथ धाम,कल खुलेंगे कपाट

जोशीमठ (उद ब्यूरो)। आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी और रावल देव डोलियों के साथ बदरीनाथ धाम पहुंच गए हैं। गुरुवार को बदरी नाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले पांडुकेश्वर में सैकड़ों भक्त उमड़े। 25 अप्रलै को केदार नाथ धाम के कपाट खुल गए हैं। इसी के साथ चारधाम यात्रा को लेकर लोगों में भारी उत्साह दिखाई दे रहा है। जोशीमठ नृसिंह मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के बाद आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, गाडू घड़ तेल कलश यात्रा और बदरीनाथ के रावल (मुख्य पुजारी) ईश्वर प्रसाद नंबूदरी व अन्य वेदपाठी योग बदरी मंदिर

पांडुकेश्वर के लिए रवाना हो गए थे। इससे पूर्व रावल ने नृसिंह मंदिर में पूजा-अर्चना संपन्न की। इस दौरान भक्तों के जय बदरीविशाल के जयकारों से जोशीमठ गुंजायमान हो उठा। बुधवार को पांडुकेश्वर से कुबेर जी और उद्धव जी की उत्सव डोली भी बदरीनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी। बदरीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को प्रातः 7 बजकर 10 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार सुबह नौ बजे से नृसिंह मंदिर परिसर में बदरीनाथ के रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी और धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल ने संकल्प पूजाएं संपन्न की। इसके बाद सुबह साढ़े 10 बजे आर्मी की (शेष पृष्ठ सात पर)

संदिग्ध हालातों में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दिनेशपुर(उद संवाददाता)। संदिग्ध हालातों में युवक ने पेड़ में फंदे से लटक कर आत्म हत्या कर ली। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की जेब से मिले सुसाइड नोट की पुलिस जांच कर रही है। पुलिस ने मृतक की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

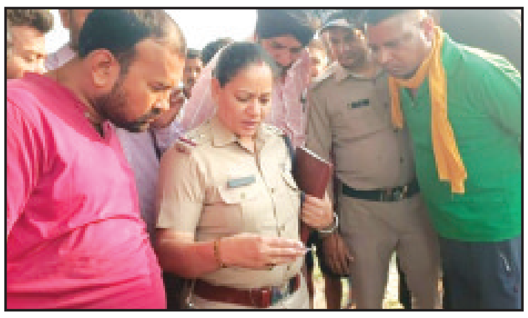

जानकारी के मुताबिक आनन्दखेड़ा निवासी 35 वर्षीय गौरांग मिस्त्री बुधवार की सुबह घर से कुछ दूर मोहनपुर रोड के पास आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। शव जब कुछ लोगों ने देखा तो इसकी सूचना घर वालों को दी। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जाम हो गयी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उताकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की जेब से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, पुलिस उसकी पड़ताल कर रही है। युवक ने सुसाइड नोट में स्वयं को मौत का जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि मैं जिंदगी से काफी दुखी हूं। मुझे बहुत तकलीफ है, जिसके चलते मैं आत्म हत्या कर रहा हूं। मेरी माँ मुझे माफ कर देना और मेरे बच्चे का ध्यान रखना। मृतक का एक सात साल का पुत्र है। वह पत्नी और बच्चे के साथ गांव में रहता था। मृतक कुछ समय से बीमार चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार उसका पत्नी से आये दिन क्लेश रहता था। फिलहाल पुलिस ने मृतक की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

टैंपो यूनियन के अध्यक्ष को पुलिस ने हिरासत में लिया

इंटरार्क श्रमिकों के समर्थन में गये थे एडीएम से वार्ता करने,एडीएम से हुई नोंक-झोंक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। इंटरार्क मजदूरों के समर्थन में प्रतिनिधि मण्डल के साथ एडीएम जयभारत सिंह से मिलने गये टैम्पे यूनियन अध्यक्ष सुरेश कुमार विश्वास की एडीएम के साथ बहस हो गयी। जिस पर एडीएम की शिकायत के बाद पुलिस ने सुब्रत को हिरासत में ले लिया। सुब्रत को हिरासत में लिये जाने से श्रमिक भड़क गये उन्होंने सिडकुल चौकी पहुंचकर विरोध प्रकट किया। बता दें इंटरार्क मजदूर संघ लम्बे समय से अपनी समस्याओं को लेकर

आवाज उठा रहा है। श्रमिकों का आरोप है कि पूर्व में एडीएम जयभारत सिंह की मध्यस्थता में फैक्ट्री प्रबंधन के साथ जो समझौता हुआ था उसका पालन नहीं किया जा रहा है जिसके चलते श्रमिकों को काम पर नहीं लिया जा रहा है आज इसी सम्बंध में इंटरार्क श्रमिक संगठन के महामंत्री सौरभ कुमार के साथ शिव नारायण, विरेन्द्र कुमार, विशाल पटेल और टैंपो यूनियन के अध्यक्ष सुब्रत कुमार विश्वास एडीएम जयभारत से वार्ता करने और ज्ञापन देने पहुंच गये। एडीएम से वार्ता शुरू हुयी तो सुब्रत राय ने एडीएम के समक्ष जब श्रमिकों की बात रखी तो एडीएम भड़क गये। उन्होंने सुब्रत राय से इंटरार्क श्रमिकों के समर्थन में आने का कारण पूछ लिया। सुब्रत ने बताया (शेष पृष्ठ सात पर)

लग्जरी कार में भड़की आग

नैनीताल (उद संवाददाता)। हल्द्वानी से भवाली की ओर जा रही कार आमडाली भीमताल के पास पहुंची तो अचानक कार में आग लग गई। कार में 4 लोग सवार थे। उन्होंने बमुश्किल अपनी जान बचायी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची भीमताल पुलिस एवं फायर यूनिट ने पानी डाल कर आग को बुझाया। कार में सवार दो पुरुष 2 महिला आग लगते ही कार से बाहर निकल गए थे। जानकारी के मुताबिक शेव्रले क्रूज कार संख्या डीएल 3सीबीवी-0759 हल्द्वानी से भवाली की तरफ जा रही थी। जिसमें अचानक चलते चलते आग लग गई। कार में 4 दो पुरूष और दो महिलाएं सवार थी। आग लगते ही सभी सकुशल बाहर निकल गये। कार के अगले हिस्से पर लगी आग को थाना भीमताल एवं पुलिस फायर यूनिट द्वारा पानी डाल कर काबू किया गया।

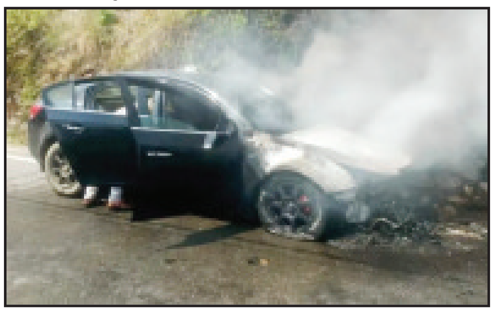

सामिया बिल्डर्स पर 2.47 लाख धोखाधड़ी का आरोप

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सामिया बिल्डर्स द्वारा प्लॉट बेचने के नाम पर की गई धोखाधड़ी के मामले निरंतर सामने आ रहे है। इस मामले में पूर्व में भी कई पीड़ितों द्वारा रपट दर्ज कराई जा चुकी है। ताजा मामले में मशकूर अहमद पुत्र शरीफ अहमद निवासी स्वार रामपुर ने सामिया बिल्डर्स पर 2.47 लाख रूपये की धोखाधडी करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उसने सामिया इन्टरनेशनल बिल्डिर्स प्रा0लि0 में एक फलैट 26 फरवरी 2014 को बुक कराया। फ्लैट की कीमत सामियाँ इन्टरनेशनल के सगीर अहमद खाँ द्वारा 6,75,000 रूपये बतायी गयी। तथा प्रतिमाह 6959 रूपये की किश्त बतायी गयी। इस संबंध में एक अनुबन्ध पत्र भी तैयार किया गया। मशकूर का कहना है उसने अपने बैंक खाते से विभिन्न तिथियों पर प्रतिमाह उक्त किश्तो की अदायगी कर दीं। कुल 2,47,000 रूपये जमा करा दिये गयें। कुछ समय के बाद उक्त सगीर अहमद खाँ ने बताया कि फ्लैट (शेष पृष्ठ सात पर)

एचटी लाईन में काम कर रहा लाईनमैन झुलसा

हल्द्वानी(उद संवाददाता)।बरेली रोड में ठेकेदार के अधीन काम करने वाला एक लाईनमैन हाईटेंशन लाइन में काम करने के दौरान अचानक लाईन में आए करंट की चपेट में आकर

गंभीर रूप से झुलस गया। उसे गंभीर हालत में उपचार के लूटे सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया। मामले की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारी भी वहां आ पहुंचे और उन्होंने मामले की जानकारी ली। बताया जाता है 38 वर्षीय लाइनमैन राकेश ठेकेदार के अधीन काम करता है। वह बरेली रोड के पास हाईटेंशन के पोल पर काम कर रहा था। अचानक लाईन में करंट आ जाने से वह गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गया। लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में (शेष पृष्ठ सात पर)

वाहन चोरों ने उड़ाई दो बाइकें

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अज्ञात वाहन चोरों ने दिनदहाड़े अलग अलग स्थानों से दो मोटर साईकिलें चोरी कर लीं। वाहन स्वामियों ने रपट दर्ज करा दी है। दर्ज रपट में प्रकाश चन्दोला पुत्र दुर्गा दत्त चन्दोला निवासी जवाहर नगर, डेयरी फार्म नगला, पन्तनगर ने कहा है कि उसने 24. अप्रैल की सायं अपनी मोटरसाईकिल संख्या यूके 06 एएल 1450 को मैसर्स आर्शीवाद कॉम्पलेक्स, माँ वैष्णो द्वार के पास खड़ा किया था। जहां से अज्ञात (शेष पृष्ठ सात पर)

बर्फबारी से चांदी जैसी चमक रही केदारपुरी

केदारनाथ में चढ़ाया सोने का छत्र और कलश खराब मौसम के बीच भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मंदिर में एक दानीदाता ने सोने का छत्र व कलश चढ़ाया है। गत वर्ष भी इन्हीं दानीदाता ने गर्भ गृह की चहारदीवारी पर सोने की परत चढ़ाई थी। इस बार भी बड़ी संख्या में देश के विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालुओं के केदारनाथ धाम के दर्शन को आने का अनुमान है।केदारनाथ मंदिर में स्वयं-भू शिवलिंग के ऊपर सोने का छत्र व कलश लगाया जाएगा। अभी तक यहां पर चांदी का छत्र था। इस मौके पर बदरी केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय व मंदिर समिति के कार्याधिकारी आरसी तिवारी मौजूद थे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के पहले दिन ही भारी बर्फबारी व कड़ाके की ठंड के बावजूद भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए केदारनाथ धाम पहुंचे। धाम में कपाट खुलने के दिन मंगलवार को पूरे दिन रुक-रुककर बर्फबारी होती रही और मौसम पल-पल रंग बदलता रहा। इससे अधिकतम तापमान दोपहर में भी माइनस चार डिग्री तक रहा। कड़ाके की ठंड में भक्तों में भोले बाबा के दर्शनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। लंबी-लंबी कतार लगाकर भक्त दर्शन को इंतजार करते रहे। सुबह मौसम प्रतिकूल रहा, दोपहर बाद बर्फबारी शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक जारी रही।फिर भी भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई।लिनचोली से केदारनाथ धाम तक पैदल मार्ग बर्फ से ढका हुआ है। यात्री बाबा के दर्शन के साथ ही बर्फ का भी आनंद ले रहे हैं। वहीं, पहले दिन ही हुई बर्फबारी से केदारपुरी चांदी जैसी चमक रही है। केदारपुरी के प्राकृतिक सौंदर्य का यात्री भरपूर आनंद ले रहे हैं।केदारनाथ में अधिकांश होटल व लाज मौसम खराब होने के कारण अभी तक नहीं खुले हैं। बड़ी संख्या में होटलों व लाज संचालकों का सामान गौरीकुंड में ही है। व्यापारी मौसम ठीक होने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं जो व्यापारी केदारनाथ पहुंच गए हैं, वह अपने होटलों के आगे से बर्फ हटाने में जुटे हुए हैं। पर्यटन विभाग की ओर से केदारनाथ में भक्तों के दर्शनों के लिए टोकन व्यवस्था शुरू करने की बात कही थी। कपाट खुलने के दिन टोकन व्यवस्था शुरू नहीं हुई। इससे यात्रियों को दर्शनों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। बर्फबारी में भी यात्री अपनी बारी का इंतजार करते रहे। चारधाम यात्रा में केदारनाथ में भैरव ग्लेशियर व हथनी पर्वत ग्लेशियर पर लगातार हिमखंड के टूटने का खतरा बना हुआ है। यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर उत्तराखण्ड शासन ने 24 घंट रेस्कयू टीमों को तैनात किया हैं, ताकि वहां पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटनाएं घटित न हो सके। यह ऐसा पहला मौका होगा जब भारी बर्फबारी के बीच यात्रियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। बाबा केदार के कपाट खुलते ही पहले दिन लगभग 18,000 से भी ज्यादा तीर्थ यात्रियों ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। केदारनाथ धाम की चढ़ाई 16 किमी लंबी और बड़ी ही जटिल है लेकिन बाबा के भक्तों में बाबा के दर्शन करने के लिए बड़ा ही उत्साह देखने को मिला। दोपहर बाद धाम में बर्फबारी होने लगी, लेकिन तीर्थ यात्रियों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। पैदल मार्ग के विभिन्न पड़ाव बाबा केदार के जयघोष से गुंजायमान रहे।

केदारनाथ में स्थापित शंकराचार्य की प्रतिमा पर एक फूल भी नहीं चढ़ाया!

ज्योतिषपीठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने नहीं किये दर्शन

केदारनाथ। भगवान केदारनाथ के कपाट खुलने पर मंगलवार को मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी लेकिन ठीक पीछे आदिगुरु शंकराचार्य का समाधि स्थल सूना पड़ा रहा।बताया जा रहा है कि एक तरह जहां केदारनाथ मंदिर को 35 क्विंटल फूलों से सजाया गया था तो दूसरी ओर शंकराचार्य समाधि स्थल पर एक फूल भी नहीं चढ़ा। जबकि मंगलवार को आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती थी। आदि गुरु शंकराचार्य की उपेक्षा पर नाराजगी जताते हुए ज्योतिषपीठ शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज धरने पर बैठ गए। धाम में मौजूद मीडिया कर्मियों के पूछने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सीईओ द्वारा प्रोटोकाल नहीं होने की सूचना पर दर्शन नहीं किये हैं। उन्होंने सरकार से धार्मिक परम्पराओं का अनुपालन करने की अपील की। बहराहल केदारनाथ धाम में स्थापित आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा पर सफाई को लेकर प्रशासन व बीकेटीसी के मनाने पर मामला शांत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत वर्ष 2018 में मंदिर के पीछे आदिगुरु शंकराचार्य की समाधि स्थल का पुनर्निर्माण भी शुरू किया गया था। तब प्रधानमंत्री ने धाम पहुंचकर कहा था कि आदिगुरु शंकराचार्य का समाधि स्थल केदारनाथ मंदिर की तरह दिव्य और भव्य होगा। लेकिन, तीन चरणों में 16 करोड़ की लागत से बने समाधि स्थल को केदारनाथ में भुला दिया गया। उपेक्षा से नाराज ज्योतिषपीठाधीश्वर अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज समाधि के समीप धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य सनातन धर्म के ध्वजवाहक रहे हैं। यह उपेक्षा किसी भी स्तर पर माफी योग्य नहीं है। सूचना पर बीकेटीसी के सीईओ योगेंद्र सिंह, अपर कार्याधिकारी आरसी तिवारी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह शंकराचार्य को मनाया। धाम में मौजूद धार्मिक मामलों के जानकार बृजेश सती ने कहा कि आदिगुरु शंकराचार्य को इस तरह भुला दिया जाएगा यह कभी कल्पना नहीं की थी। समाधि क्षेत्र में सफाई भी नहीं की गई थी। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि पूरे मामले की समिति के अधिकारियों से जानकारी ली जा रही है।

श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनायें

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट विधि-विधान के साथ आज प्रात: 6:20 पर श्रद्धालुओं के दर्शनाथ खोल दिये गए हैं। रावल भीमाशंकर लिंग तथा पुजारी शिवलिंग एवं धर्माचार्यों द्वारा धाम में पहली पूजा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। कपाट खुलते समय सेना के बैंड, भजन-कीर्तन एवं जय श्री केदार के उद्घोष से श्री केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार इस अवसर पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गयी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने श्री केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की एवं बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में आयोजित भंडारा कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि श्री गंगोत्री एवं श्री यमुनोत्री धाम में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है।

27 अप्रैल को भगवान बदरी विशाल के कपाट भी श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुल जायेंगे। प्रदेश सरकार द्वारा यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री अजेन्द्र अजय, विधायक केदारनाथ श्रीमती शैला रानी रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अमरदेई शाह, जिला अध्यक्ष भाजपा महावीर पंवार सहित अन्य सम्मानितजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कल खुलेंगे बदरीनाथ के कपाट: चारधाम के लिए हुए 17 लाख से अधिक पंजीकरण

चमोली। चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 17 लाख 92 हजार का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं, जीएमवीएन गेस्ट हाउसों में 10 करोड़ 56 लाख से अधिक की बुकिंग हो चुकी है। केदारनाथधाम के कपाट खुलने पर मंत्री सतपाल महाराज ने शुभकामनाएं दी हैं। महाराज ने कहा कि केदारनाथ में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गई और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। उन्होंने बताया कि बदरीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे। 18 फरवरी से शुरू हुए पंजीकरण के तहत अभी तक 17 लाख 92 हजार 904 यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। केदारनाथ के लिए 6,35,230, बदरीनाथ के लिए 5,35,551, गंगोत्री के लिए 3,26,111, यमुनोत्री के लिए 2,82,757 और हेमकुंड साहिब के लिए 13,255 ने पंजीकरण कराया है। महाराज ने बताया कि जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों में अभी तक 10 करोड़ 56 लाख 12 हजार 58 रुपये से अधिक की बुकिंग की जा चुकी है। उन्होंने चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि चारधाम यात्रा की विस्तृत सुविधाओं का लाभ लेने के लिए यात्री अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं। श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट बन्द होने के उपरान्त शीतकालीन प्रवास हेतु जोशीमठ में प्रवासरत आदिगुरु शंकराचार्य की डोली पूर्ण विधि-विधान एवं पूजा अर्चना के बाद आज दिनांक 25/04/2023 को भव्य रुप से सुसज्जित पौराणिक गाडू घड़ा कलश यात्रा के साथ पूर्ण सुरक्षा के बीच योग ध्यान बदरी पाण्डुकेश्वर पहुँच गई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने के विषय में मान्यता है कि भगवान बद्रीविशाल जी के महाभिषेक के लिए तिल का तेल प्रयोग करने की परम्परा है, इस तेल को टिहरी राजदरबार में सुहागिन महिलाओं द्वारा विशेष पोशाक पहन कर पिरोने के उपरान्त डिम्मर गाँव के डिमरी आचार्यों द्वारा लाए गए कलश में भर दिया जाता है जिसे गाडू घड़ा कहते हैं। इसी कलश को श्री बद्रीनाथ पहुँचाने की प्रक्रिया गाडू घड़ा कलश यात्रा कहलाती है। जोशीमठ पहुँचने के उपरान्त आदि गुरु शंकराचार्य की डोली भी इसी यात्रा के साथ योग ध्यान बद्री पाण्डुकेश्वर पहुँचती है। पाण्डुकेश्वर पहँचने के उपरान्त योग ध्यान बद्री में शीतकालीन प्रवास हेतु विराजमान भगवान उद्धव जी एवं भगवान कुबेर जी की डोली, शंकराचार्य जी एवं गाडू घड़ा कलश यात्रा के साथ श्री बद्रीनाथ जी के धाम के लिए पहुँचते हैं।

वाटर प्रूफिंग

हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।

प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो

पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

मकान बिकाऊ

भगत सिंह चौक रूद्रपुर में 15x30 में बना पांच मंजिला कामर्शियल (फ्रीहोल्ड) भवन बिकाऊ है।

संपर्क करें
मो. 7017360462

Shri Shyam Properties

Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

कोसी नदी में डूबने से दो दोस्तों की मौत,नहाने से पहले ली सेल्फी

रामनगर। गर्जिया मंदिर के पास कोसी नदी में नहाते वक्त मुरादाबाद के दो युवक डूब गए। शोर मचने पर श्रद्धालुओं और पुलिस कर्मियों ने दोनों को नदी से निकालकर रामनगर के सरकारी अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि एक दोस्त को बचाने के चक्कर में दूसरा दोस्त भी डूब गया। गर्जिया चौकी प्रभारी गगनदीप सिंह ने बताया कि मुरादाबाद निवासी आशीष ठाकुर (19) पुत्र डॉ. राजकुमार निवासी हरथला मुरादाबाद, सूरज यादव (18) पुत्र स्व. रामनाथ यादव निवासी मनोकामना मंदिर के पास मुरादाबाद, आदित्य कश्यप (17) पुत्र सत्यवीर सिंह, वर्षीय हिमांशु सिंह (18) पुत्र डालचंद्र और इमरान (19) पुत्र फरहत अली निवासी हरथला मुरादाबाद मंगलवार को कार से रामनगर के गर्जिया मंदिर घूमने पहुंचे। दोपहर में सभी गर्जिया मंदिर के पास कोसी नदी में नहा रहे थे।इस दौरान आशीष ठाकुर और सूरज यादव कोसी नदी के गहरे कुंड में फंसकर डूब गए। आदित्य, हिमांशु और इमरान नदी किनारे नहा रहे थे। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद श्रद्धालु व पुलिस ने आशीष और सूरज को रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

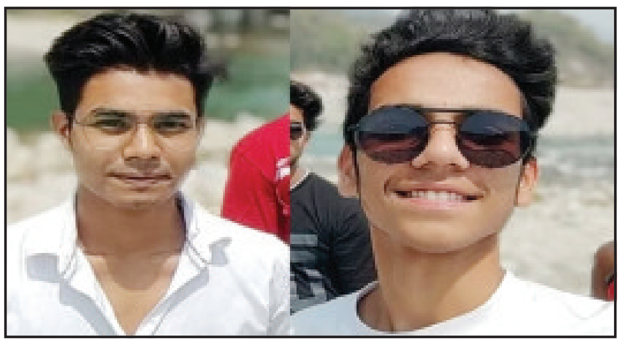

परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम किया जाएगा। गर्जिया मंदिर में कोसी नदी में नहाने वालों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। कोसी नदी में नहाते समय आशीष अचानक डूबने लगा तो सूरज उसे बचाने गया। काफी कोशिश के बाद भी सूरज को सफलता नहीं मिली और दोनों डूब गए। हम सभी घूमने के लिए आए थे। यह कहना था मृतक युवकों के दोस्त आदित्य का।आदित्य ने बताया कि उनकी पहले से रामनगर आने की योजना नहीं थी। सोमवार को अचानक प्लान बना कि मंगलवार को रामनगर जाएंगे। मंगलवार सुबह आशीष ने अपनी कार निकाली और सभी दोस्त मस्ती करते हुए दोपहर 12 बजे तक रामनगर पहुंच गए। रामनगर पहुंचने के बाद गर्जिया मंदिर के लिए निकले पड़े। सभी ने माता गर्जिया मंदिर के दर्शन किए। दोपहर डेढ़ बजे दर्शन करने के बाद सभी मंदिर के पीछे बह रही नदी में नहाने लगे। आदित्य ने बताया कि आशीष व सूरज को तैरना आता था तो वे नदी में उतरकर नहा रहे थे। जबकि वह और अन्य दो दोस्त नदी किनारे नहा रहे थे। आशीष नहाते हुए गहरे कुंड की ओर चला गया और उसमें फंस गया।आशीष ने काफी कोशिश की लेकिन वह गहरे कुंड से निकल नहीं पाया। ऐसे में सूरज उसे बचाने के लिए गहरे कुंड की ओर ओर चला गया। उसने एक बार आशीष को पकड़ लिया और उसे नदी किनारे लाने लगा लेकिन अचानक वह भी गहरे कुंड में भंवर में फंस गया और डूब गया। आदित्य ने बताया कि उनके शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। अन्य श्रद्धालुओं ने किसी तरह दोनों को नदी से बाहर निकाला और कार से दोनों को रामनगर के सरकारी अस्पताल ले गए। आदित्य ने बताया कि काश हम यहां नहीं आते तो शायद यह हादसा नहीं होता। आदित्य व इमरान ने बताया कि कोसी नदी में नहाने से पहले टूर को यादगार बनाने के लिए सभी ने सेल्फी ली लेकिन किसे पता था कि आशीष व सूरज के साथ यह आखिरी सेल्फी बन जाएगी। आदित्य ने बताया कि सूरज 11वीं और आशीष 12वीं का छात्र था। हिमांशु, इमरान व आदित्य भी 12वीं के छात्र हैं।

दो मकानों के ताले तोड़कर जेवरात और हजारों की नगदी ले गये चोर

खटीमा। चोरों ने भूड़ महोलिया में दो बंद मकानों का ताला तोड़कर सोने के जेवर और 49 हजार की नकदी उड़ा ली। भूड़ महोलिया राम कॉलोनी निवासी हरीश सिंह ने तहरीर में कहा कि 15 अप्रैल वह अपने पिता के श्राद्ध के लिए परिवार के साथ लोहाघाट गए थे। 21 अप्रैल को उनके पड़ोसी संजय सिंह ने सूचना दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। 22 अप्रैल को जब वह घर पहुंचे तो देखा कि गेट का ताला टूटे होने के साथ बक्से में रखा सामान बिखरा पड़ा है। बक्से में रखी सोने की एक तोला नथ, आधे तोले का मांगटीका, आधा तोला मंगलसूत्र, आधा तोला टॉप्स, तीन नाक की फुली, चांदी के बिच्छु, अंगूठी, पायल व बच्चों की गुल्लक और घर में रखी 39 हजार की नगदी चोरी हो गई है। उसी रात चोरों ने पड़ोस में रहने वाली रीता चौहान के मकान का भी ताला तोड़कर ट्राली बैग में रखी दस हजार की नकदी उड़ा ली। एसएसआई अशोक कुमार ने बताया कि केस दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की दबकर मौत

पंतनगर। विवि परिसर में अनियंत्रित होकर पलटे ट्रैक्टर के नीचे दबकर चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। ग्राम गगनपुर थाना बिलासपुर जिला रामपुर यूपी निवासी सोनू कश्यप (35) ट्रैक्टर चालक था और पिछले दो वर्षों से पंतनगर के लीज होल्डरों के पास काम करता था। चार दिन पूर्व ही उसने गदरपुर निवासी लीज होल्डर राकेश शर्मा के पास क्यू ब्लॉक में रीपर चलाना शुरू किया था। रविवार की आधी रात वह लीज होल्डर के झाले से ट्रैक्टर लेकर निकला था लेकिन रास्ते में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। क्यू ब्लॉक में राहगीरों ने चालक सोनू के दबे होने की सूचना लीज होल्डर राकेश शर्मा को दी। राकेश ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। तड़के तीन बजे पंतनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से ट्रैक्टर को हटवाया। अचेत पड़े सोनू को बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के परिवार में पत्नी के साथ दो भाई और दो बहने हैं।

पुलिस व चाइल्ड लाइन ने किया बालिकाओं को जागरूक

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ऑपरेशन मुक्ति 2023 के तहत चलाए जा रहे भिक्षा नहीं शिक्षा दें अभियान के तहत जनपद ऊधम सिंह नगर की टीम तृतीय व कुमाऊं सेवा समिति चाइल्ड लाइन 1098 उधमसिंह नगर द्वारा आदर्श राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज पंतनगर में भिक्षा नहीं शिक्षा दें, के दौरान जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया। जिसमे भिक्षा नहीं शिक्षा दें, बाल सुरक्षा, बाल शोषण, बाल विवाह, बाल अधिकार, साइबर क्राइम, नशे के प्रति व बच्चो के साथ होने वाले शोषण के संबंध में बालिकाओं को जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें बताया कि बच्चो को भिक्षा नही शिक्षा

देनी है। उनको यह भी बताया सभी इस कार्य मैं भागीदार बन सकते है। आस पास जो बच्चे स्कूल नही जाते है उनके परिजनों को विद्यालय भेजने के लिए प्रोत्साहित करे। यदि कोई बच्चा भीख मांगते मिले तब आप उसे भीख न दे साथ ही हेल्पलाइन नंबर 112 पुलिस व चाइल्ड लाइन 1098 पर कॉल कर जानकारी दे। इस दौरान ऑपरेशन मुक्ति तृतीय टीम से कांस्टेबल मीना तिवारी, चाइल्ड लाइन केंद्र समन्वयक शायरा बानो, टीम मेंबर नंदनी वर्मा, प्रधानाचार्य शाइस्ता जमाल अंसारी व बालिकाएं उपस्थित थी।

प्रकाश सिंह बादल के निधन पर शोक व्यक्त

किच्छा(उद संवाददाता)। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के बड़े नेता सरदार प्रकाश सिंह बादल के निधन पर शोक जताया तथा उनके पुत्र पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल से टेलीफोनपर वार्ता कर दुख व्यक्त किया।तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि इस दुख को सहन करने की अपार शक्ति परिजनों को दें और स्वर्गीय बादल जी की आत्मा को शांति प्रदान करे। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल ने शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष के रूप में लंबे समय तक काम करते हुए कई बार पंजाब के मुख्यमंत्री रहे तथा उन्होंने किसानों की आवाज को हमेशा पुरजोर तरीके से उठाया। उधम सिंह नगर में उनके अनेक लोगों से व्यक्तिगत संबंध थे, मुझे भी कई बार उनसे मिलने का अवसर मिला, उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है। राजेश शुक्ला ने कहा कि चौधरी चरण सिंह के बाद वे किसानों की आवाज उठाने वाले उनके हित में निर्णय लेने वाले देश के दूसरे बड़े नेता थे। शुक्ला ने कहा कि जब तक उनका स्वास्थ्य ठीक रहा भाजपा अकाली गठबंधन चलता रहा, भाजपा के श्री अटल बिहारी वाजपेई सरीखे शीर्ष नेता श्री बादल का सम्मान करते थे लेकिन बादल के अस्वस्थ होने के बाद अकाली दल के लोग भाजपा से रिश्ता बनाए रखने में असफल हुए। शुक्ला ने कहा कि श्री बादल की कमी भारतीय राजनीति में व पंजाब की राजनीति में हमेशा खलती रहेगी।

अवैध शराब ले जाता तस्कर गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि पुलिस ने गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर एक नशा तस्कर को अवैध कच्ची शराब ले जाते गिर फ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार पुलिस कर्मी गश्त करते बिलासपुर रोड पर जा रहे थे तो मुखबिर की सूचना पर वह रम्पुरा तिराहा पर पहुंचे। थोडी देर बाद आती मोटर साईकिल को रूकने का ईशारा किया तो चालक वहां से वापस भागने की कोशिश करने लगा। जिस पर पुलिस कर्मियों ने पीछाकर उसे पकड़ लिया । पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता गुरमीत सिंह उर्फ राजू पुत्र कश्मीर सिंह निवासी ग्राम बिन्दुखेड़ा बताया। तलाशी लेने पर उसकी मोटर साईकिल संख्या यूके 06 के 1053 की टंकी पर रखे कट्टे से कुल 52 पाउच कच्ची शराब के बरामद हुए। पुलिस ने बरामद शराब व मोटर साईकिल कब्जे में लेकर गुरमीत के विरूद्ध मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

सात दुकानों से पॉलिथीन जब्त कर जुर्माना वसूला

बाजपुर/केलाखेड़ा। एसडीएम आरसी तिवारी ने टीम के साथ हाईवे स्थित दोराहा चौक में अभियान चलाकर सात दुकानों पर छापा मारा। इन दुकानों से पांच किलो प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त कर 2850 रुपये का जुर्माना वसूल किया। अभियान में एडीओ ललित ग्वाल, राजस्व निरीक्षण सुनीति पाल सिंह, वीडीओ सुनील सागर आदि थे। केलाखेड़ा में तीन प्रतिष्ठानों पर छापा मारकर दो किलो पॉलिथीन बरामद की और 600 रुपये का जुर्माना वसूल किया। नगर पंचायत ईओ राज कुमार भारती ने बताया कि सार्वजनिक स्थल पर कूड़ा फैलाने के आरोप में दो लोगों का चालान कर 400 रुपए जुर्माना वसूला गया। अभियान में हिमांशु चौधरी,सफाई नायक मंगू खां, कानूनगो सुमिती पाल, महिपाल आदि थे।

ॐ नर्मदे हर   श्री श्री चन्द्राचार्यो विजयतेतराम्   ॐ नर्मदे हर

श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम्

न्यास - कनरा - डोल, लमगड़ा, अल्मोड़ा

वार्षिक- महोत्सव

दिनांक 23 अप्रैल से 5 मई तक वैशाख शुक्ल पक्ष (वैशाख पूर्णमा) तक।

कार्यक्रम सूची

दिनाँक 23 अप्रैल 2023
अक्षय तृतीया - काशी से पधारे आचार्यो द्वारा देवार्चन क्रम का शुभारंभ एवं
श्री रमेश भाई ओझा जी (भाई श्री) के मुखाविंद से
श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ।
कथा का समय (प्रातः 10:30 से दोपहर 01:30 तक)

दिनाँक 25-26-27 अप्रैल 2023
(संध्या 6:00 से 8:00 बजे तक)
भारत के सुप्रसिद्ध श्री देवकीनंदन शर्माजी (वृन्दावन वाले)
द्वारा रासलीला मंचन।

दिनाँक 30 अप्रैल से 4 मई 2023
(संध्या 6:00 से 8:00 बजे तक)
भारतवर्ष से आये हुए महापुरुषों एवं संतों के आशीर्वचन तथा
उत्तराखण्ड के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम।

दिनाँक 01 मई से 4 मई 2023
उत्तराखण्ड सांस्कृतिक विभाग द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम।

दिनाँक 5 मई 2023
उत्तराखण्ड के यशस्वी मुख्यमंत्री
श्री पुष्कर सिंह धामी जी
की गरिमामय उपस्थिति में आश्रम के वार्षिक महोत्सव का कार्यक्रम ।
धर्म ध्वजा की स्थापना, कलश यात्रा, कन्या पूजन, संतो का आशीर्वचन एवं
विशाल भंडारा।

पूज्य तपस्वी बाबा कल्याण दास जी के पावन सानिध्य में
उत्तराखण्ड के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री पुष्कर सिंह धामी जी
के करकमलों द्वारा, स्व0 श्री इंदू भाई पटेल जी की पावन स्मृति में
श्री देवांग भाई पटेल एवं धर्मपत्नी अनिताबेन के सहयोग से निर्मित,
श्री कल्याणिका धर्मार्थ चिकित्सालय का लोकार्पण।

श्री कल्याणिका हिमालय देवस्थानम्
न्यास - कनरा - डोल, लमगड़ा (अल्मोड़ा), पो0 ऑ - धायखान,
पि0- 263625 । सम्पर्क सूत्र- 8868820948, 9756949456, 8979280293

आंगनबाड़ी केन्द्र में लाभार्थियों को बांटा मोटा राशन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विवेक नगर वार्ड नं.9 के आंगनबाड़ी केन्द्र संख्या 9 में मोटा राशन चावल गेहूं का वितरण किया गया। मेयर रामपाल ने आंगनबाड़ी केन्द्र में इस अयोजना का शुभारम्भ किया और लाभार्थियों राशन बांटा। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को ढाई किलो चावल, केन्द्र की भाजपा सरकार जरूरतमंदों को हरसंभव सुविधायें उपलब्ध करा रही है। कोविड के बाद से अब तक गरीब जरूरतमंदों को मुफ्त राशन बांटा जा रहा है। जिसका लाभ देश के करोड़ों लोगों को मिल रहा है। मेयर ने कहा कि कहा कि कोई भी गरीब जरूरतमंद भूखा न रहे इसके लिए सरकार ने अब आंगनबाड़ी ने कहा कि सरकार गरीब मजदूरों के हमेशा चिंतित रही है। गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनायें संचालित की जा रही है। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रोनोति विश्वास ने बताया के आंगनबाड़ी केन्द्र में माह फरवी एवं मार्च का राशन वितरण किया गया है। आगे भी सरकार से जो भी दिशा निर्देश मिलेंगे

ढाई किलो गेहूं, का वितरण किया गया। इसके अलावा छह माह से 3 वर्ष के बच्चों को 2 किलो 650 ग्राम चावल और 1 किलो 650 ग्राम गेहूं का वितरण किया गया। 3 से 6 वर्ष के बच्चों को 1 किलो 650 ग्राम चावल और गेहूं वितरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश और केन्द्रों पर भी मोटा राशन बांटने की व्यवस्था की है, इससे लोगों को योजना का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मोटा राशन बंटने से लोगों को राशन डिपो के अनावश्यक चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, और लोगों को अपने घर के बिलकुल निकट ही मोटा राशन मिल सकेगा। मेयर उसके अनुसार लोगों को योजना से लाभान्वित किया जायेगा। इस अवसर पर शांति देवी, संजना, पारूल पाण्डे, राखी, नीलम शशि बाला, शीतल देवी, रचना, सुनीता आशा, रेखा, देपाली, सुशीला, नीरज, सरला, प्रीति, काजल, हेमा, बरखा, मीरा, भारती, कमलेश, शकुंतला, काजल सहित तमाम लाभार्थी मौजूद थे।

समीक्षा बैठक में डीएम ने अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी रीना जोशी की अध्यक्षता में मासिक स्टाफ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा राजस्व, आबकारी, खनन, आपदा प्रबंधन और पूर्ति विभाग आदि के कार्यों की समीक्षा की गई तथा उपस्थित विभिन्न विभागीय अधि कारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जौलजीबी में रोड के दोनों साइड वाहन खड़े कर, दुकान सजाकर व अन्य माध्यम से सड़क पर अतिक्रमण का कार्य किया जा रहा है जिसको हटाने के लिए कहा गया। बैठक में उपस्थित जिला आबकारी अधिकारी हरीश चंद्र को निर्देशित किया गया कि मूल्य से अधिक दाम पर शराब बेच रहे विक्रेताओं पर जाए और अनफिट वाहनों को परिवहन के लिए प्रतिबंधित किया जाए। जनपद में ऐसी सरकारी बिल्डिंग जो निष्प्रयोजित हैं उनको चयनित किया जाए और अन्य कार्यों हेतु उपयोग में लाया जाए। जिला आपदा प्रबंध न अधिकारी भूपेंद्र सिंह को विस्थापन प्रकरणों तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी फिंचा राम चौहान,

गए। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधि कारियों को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में जमीनी वाद-विवाद, सड़क में आयी जमीन के मुआवजा, सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतें और मजिस्टेरियल जांच आदि लंबित मामलों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। उन्होंने उपजिलाधि कारी धारचूला को निर्देश दिए कि कार्यवाही की जाए और उनका चालान किया जाए। इसके साथ ही जनपद में कच्ची शराब बनाने वालों पर कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि दोपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग न करने की स्थिति में चालान काटने की कार्यवाही की जाए। जनपद में गाड़ियों का फिटनेस सर्टिफिकेट बनाया उप जिलाधिकारी सदर अनुराग आर्य, उपजिलाधिकारी गंगोलीहाट, बेरीनाग अनिल शुक्ला, उपजिलाधिकारी ध ारचूला, मुनस्यारी दिवेश सासनी, उपजिलाधिकारी डीडीहाट भगत सिंह फोनिया, एआरटीओ, जिला आबकारी अधि कारी हरीश चंद्र समस्त तहसीलदार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रणजीत राणा युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनोनीत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर द्वारा रणजीत सिंह राणा को महानगर युवा कांग्रेस का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। विधायक और पूर्व मंत्री तिलक राज बेहड ने रणजीत राणा को अपने आवास पर मनोनयन पत्र सौंपा। इस अवसर पर श्री राणा ने विधायक श्री बेहड़ सहित पार्टी के समस्त वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी गई है उसका निष्ठा से निर्वहन करते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे और अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़कर उन्हें आगामी निकाय सरकार, श्यामल मंडल, दिनेश मौर्या, सुरेश राजपूत, नीरज राजपूत, विपिन रस्तोगी, सुमित रॉय, शुभम दास, जगदीश कर्मकार,सुनील आर्य, भूपेंद्र कुमार, नरेश शर्मा, शिशुपाल, निरोद अधिकारी, रंजीत तिवारी विकास मंडल, श्रीनिवास मिस्त्री,साजिद खान, विजय

कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए श्री राणा का माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण किया। श्री बेहड ने आशा व्यक्त करते हुए कहा राणा जैसे मेहनती व्यक्ति का युवा कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पार्टी को बल मिलेगा। युवा कांग्रेस की रीढ़ की तरह है। राहुल गांध ी का युवाओं के लिए किया जा रहा संघर्ष एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। व लोकसभा चुनाव के लिए तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि वह हमेशा वरिष्ठ नेताओं का मार्ग दर्शन लेते रहेंगे।इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष जगदीश तनेजा, मीना शर्मा, हरीश बावरा, परिमल राय, दिलीप अधिकारी, पार्षद मोनू निषाद, सुरेश गौरी, प्रीति साना, मोहन कुमार, रामाधारी गंगवार, मोनिका ढाली, उमा यादव, उमर अली सलमानी, पार्षद अशफाक अहमद, सौरभ शर्मा, सेवादल के महानगर अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, महानगर कांग्रेस अनुसूचित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामप्रसाद, अखिलेश मिश्रा, राजेश कुमार, उमर खान, मुकेश चौहान, सोनू चौहान, डा. शावेज खान, यामीन, जितेंद्र कुमार, सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सिक्स सिग्मा संस्थान में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस (फार्मेसी) में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें वक्ता ए.पी. सी.एल., नोएडा के एच.आर. मैनेजर कुंवर श्रीवास्तव थे, जिसमें सिक्स सिग्मा के छात्रों के साथ-साथ अन्य जिसमें प्रथम एप्टिट्यूड टेस्ट तथा दूसरा राउंड ग्रुप डिस्कशन था तत्पश्चात उसके बाद आगे अन्य टेक्निकल राउंड कंपनी द्वारा किए जाएंगे । प्रथम चरण एप्टिट्यूड टेस्ट के पश्चात 75 छात्र-छात्रा का चयन किया गया, प्रतिभागियों में चयन उपरान्त खुशी व हर्षोल्लास की डॉ सीमा अरोरा, प्रबंधक समिति के सदस्य वंश डावर, कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रध ानाचार्य डॉ विजय सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रधानाचार्य ललित सिंह बिष्ट, जया वर्मा , रोहित सिंह पडियार (टीएनपी कोऑर्डिनेटर), आलिया नाज, मोहम्मद रिजवान ,नवनीत तिवारी आदि ने

कॉलेज एवं संस्थान जीपर काशीपुर, कुमाऊं यूनिवर्सिटी भीमताल, आम्रपाली कॉलेज ऑफ फार्मसी हल्द्वानी, रुहेलखंड यूनिवर्सिटी बरेली, शिखर इंस्टीट्यूट इत्यादि विभिन्न कॉलेज के छात्र -छात्राओ ने प्रतिभाग किया। छात्रों का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया ।

कैम्पस चयन प्रक्रिया का आयोजन सिक्स सिग्मा के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट ऑफिसर श्री रजत धवन द्वारा कराया गया । इस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन ए.पी.सी. एल. द्वारा कराया गया । जिसने लगभग 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। यह छात्र-छात्रा बी फार्मा, एम फार्मा बैकग्राउंड से थें। इस प्लेसमेंट के पूरे प्रक्रिया में दो राउंड थे लहर टूट पड़ी । इतने एप्टिट्यूड टेस्ट के पश्चात परीक्षा फल में चयनित छात्र-छात्राओं का मध्य ग्रुप डिस्कशन कराया गया। चयनित छात्र-छात्रा ने संस्थान की प्रबंधन समिति, प्रधानाचार्य तथा ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट ऑफिसर को अपना धन्यवाद प्रकट किया। संस्थान के चेयरमैन राजेश डाबर, को- चेयरमैन प्रीत ग्रोवर, प्रबंध निदेशक सीए शिव अरोरा, प्रबंध निदेशिका चयनित छात्रों को शुभकामनाएं प्रदान की । कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्रधानाचार्य डॉ विजय सिंह ने कहा की संस्थान द्वारा उत्तराखण्ड स्तर पर यह जॉब फेयर कराते रहें वह आगे काफी एक्टिविटी की जायेंगी, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट ऑफिसर रजत ध वन ने कहा कि सिक्स सिग्मा मैनेजमेंट द्वारा समय-समय पर ऐसे आयोजन कराने का निर्देश प्राप्त होता है।

हेमवती नंदन बहुगुणा को किया नमन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री व नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद अजय भट्ट ने स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा जी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए देश के प्रति उनके योगदान को अभूतपूर्व बताया। श्री भट्ट ने कहा कि उत्तराखंड के बुधाणी गांव में 25 अप्रैल 1919 को जन्मे श्री हेमवती नंदन बहुगुणा ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर सामाजिक कार्यों में कदम रखा और वर्ष 1952 में पहली बार हेमवती नंदन बहुगुणा विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। फिर 1957- 1970-1974- 1977 तक लगातार उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। इसके अलावा उन्होंने संपूर्णानंद मंत्रिमंडल में श्रम तथा समाज कल्याण विभाग के पार्लियामेंट्री सेक्रेटरी का दायित्व निभाया, तथा 1958 में वह उद्योग विभाग में उपमंत्री रहे, 1962 में श्रम विभाग के उप मंत्री बनाए गए तथा 1967 में वित्त एवं परिवहन मंत्री रहे । इसके अलावा उन्होंने 1971- 1977 तथा 1980 में लोकसभा सदस्य के रूप में सेवाएं दी। तथा 2 मई 1971 को केंद्रीय मंत्रिमंडल में संचार राज्य मंत्री बने । इसके अलावा पहली बार 8 नवंबर 1973 से 4 मार्च 1974 तक तथा दूसरी बार 5 मार्च 1974 से 29 नवंबर 1975 तक वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे । 1977 में केंद्रीय मंत्रिमंडल में पेट्रोलियम रसायन उर्वरक मंत्री रहे और 1979 में केंद्रीय वित्त

मंत्री बने। और 17 मार्च 1989 को उन्होंने शरीर त्याग दिया। केंद्रीय मंत्री श्री भट्ट ने कहा कि हिमालय पुत्र हेमवती नंदन बहुगुणा विषम परिस्थितियों में आगे बढ़कर देश और समाज के प्रति कर्मशील व्यक्ति की भावना लेकर आगे बढ़े। उन्होंने न गढ़वाल, न कुमाऊं के हम हैं उत्तराखंडी नारा दिया। भले ही स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की कर्मभूमि इलाहाबाद रही हो लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी जन्मभूमि की चिंता रही और वह सदैव पहाड़ी राज्यों की पक्षधर रहे। यही वजह थी कि उन्होंने अलग पर्वतीय विकास मंत्रालय बनाकर विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले पहाड़ी क्षेत्रों के विकास में एक नई दिशा दी। श्री भट्ट ने कहा कि स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार थे, उनके अंदर संगठनात्मक व प्रशासनिक क्षमता से युवाओं में ऊर्जा का संचार कर वह उन्हें निरंतर आगे बढ़ाते रहते थे । श्री भट्ट ने ऐसे हिमालय पुत्र हेमवती नंदन बहुगुणा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

छात्राओं को दी बाल विवाह के दुष्प्रभाव की जानकारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष तथा सचिव जिला वितधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार राजकीय बालिका इंटर कालेज किच्छा में बाल विवाह के दुष्प्रभाव इत्यादि विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में पीएलवी मेहनाज मलिक, गुलनाज मलिक, तारा रानी, रियासत अली ने प्रतिभाग कर विद्यालय के बच्चो को उपरोक्त विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया संविधान में बाल विवाह अपराध की श्रेणी में आता है। जिसमे दोनों पक्षों को सजा ही सकती है। उन्होंने कहा विवाह के समय वर की आयु 21 वर्ष तथा वधू की आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कच्ची उम्र में लड़की का विवाह होने से प्रसव के समय मां व गर्भस्थ शिशु दोनों के जीवन को खतरा बना रहता है। यदि कहीं पर भी बल विवाह होने की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दे। सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जाता है। उन्होंने छात्राओं को बाल विवाह के कई दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या और अध्यापिकाओ के साथ छात्राओं ने सहयोग प्रदान किया। इस दौरान पैनल अधिवक्ता लालू प्रसाद भी उपस्थित थे। पीएलवी गुलनाज मालिक ने बताया कि उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेशानुसार जिला किया जा रहा है। जिसमे आम जनता को विभिन्न कानूनों की जानकारी उपलब्ध कराकर में कानूनी ज्ञानमाला पुस्तकों का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा शासन द्वारा जनहित में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें

विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 30 अप्रैल को प्रात: 11 बजे से श्री कृष्ण मर्चेंट एसोसिएशन इंटर कालेज परिसर, किच्छा में नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं व उनका संरक्षण) योजना 2015 के क्रियान्वयन हेतु बहुउद्देशीय चिकित्सा शिविर आयोजित लाभ पहुंचाने के साथ ही पेंशन संबंधी फार्म भरे जायेंगे। शिविर में चिकित्सकों द्वारा लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच कर पात्र लोगों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जायेंगे। गुलनाज ने बताया कि आगामी 13 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत भी किया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व.हेमवती नन्दन बहुगुणा की 104वीं जयंती पर बहुद्देशीय शिविर एवं कृषक महोत्सव का आयोजन

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को अल्मोड़ा में पूर्व विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. बहुगुणा जी का उत्तराखण्ड के विकास हेतु अनेक कदम उठाये। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व प्रदर्शित किया जा रहा है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत

मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की 104वीं जयंती पर जनसेवा आधारित बहुद्देशीय शिविर एवं कृषक महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 256.75 करोड की विभिन्न स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद देश को और विशेष रूप से अविभाजित उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने में अमूल्य योगदान रहा। वे पहाड़ के ऐसे महान नेता थे जिन्होंने में आज अभूतपूर्व रूप से भारत का सांस्कृतिक उत्थान हो रहा है। सनातन संस्कृति का परचम विश्व में लहरा रहा है और हमारी आस्था के केन्द्रों का इतिहास और महत्व उसी गौरव के साथ सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय बहुगुणा, कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, श्री चंदन रामदास, श्री सौरभ बहुगुणा, श्री सुबोध उनियाल, सांसद श्री अजय टम्टा आदि उपस्थित रहे।

रामकृष्ण कुटीर अल्मोड़ा के प्रो. मिहीर के. दास ने राज्यपाल से की भेंट

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में रामकृष्ण कुटीर, अल्मोड़ा के प्रो. मिहीर के. दास ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को स्वामी विवेकानंद की उत्तराखण्ड यात्रा के दौरान उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के सम्बन्ध में चर्चा की। उन्होंने विवेकानंद जी के प्रवास व उनकी यात्रा वाले स्थानों को विवेकानंद पर्यटन सर्किट के रूप में पुन: विकसित किये जाने और उन स्थानों

को हेरिटेज साइट घोषित किये जाने का सुझाव दिया। राज्यपाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके विचारों और आदर्शों से प्रत्येक व्यक्ति को सीख मिलती है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 05 बार उत्तराखण्ड की यात्रा की है, और यहां के नैसर्गिक सौंदर्य से बेहद लगाव रहा है। राज्यपाल ने कहा कि विवेकानंद जी की यात्रा से जुड़े स्थानों को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। इससे आने वाली पीढ़ी विवेकानंद जी के आधारभूत सिद्धांत और शिक्षा दर्शन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगी।

6 मई को रूद्रपुर में धूम मचाएंगे कन्हैया मित्तल

गांधी पार्क में आयोजित होगा विशाल संकीर्तन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।6 मई को रूद्रपुर में होने वाले श्री श्याम संकीर्तन के लिए एक बैठक आयोजित की गयी जिसमे रुद्रपुर के श्री श्याम परिवार संघ, अखिल भारतीय श्री श्याम परिवार, श्री श्याम मित्र मंडल,श्री सालासर सेवा समिति, श्री अग्रवाल युवा संगठन ,बाबा भक्त मंडल आदि रुद्रपुर के सभी पदाधिकारियों ने आगामी कार्यक्रम की चर्चा कर कार्यक्रम को भव्य रूप देने की रूप रेखा बनायी। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि 6 मई को रुद्रपुर गांधी पार्क में श्याम कीर्तन में राष्ट्र के भजन गायक कन्हैया मित्तल एवं रुद्रपुर के मशहूर गायक अमन सांवरिया द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को सभी को जिम्मेदारियों सौंपी गई। इस दौरान बैठक में संजय ठुकराल, विनीत जैन, संदीप राव, विक्की मुंजाल, अरविंद गुंबर, नरेंद्र बंसल, गौरव सिंघल, सचिन अग्रवाल (मोनू), अमित जिंदल, श्रीओम अग्रवाल, हिमांशु जिंदल, अमित बंसल, कुशल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, कपिल शर्मा, गोविंद अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, विकास जिंदल, अजय बंसल (एमडी),

अग्रवाल, मुकेश गोयल, राजकुमार जैन, राकेश शर्मा, नरेंद्र रावत, योगेंद्र जिंदल, जितेंद्र अग्रवाल, हरि अग्रवाल, अजय नितिन अग्रवाल, विनय बंसल, सूरज अग्रवाल, आयुष गर्ग, संजीव गुप्ता, विकास बंसल, आदि लोग उपस्थित थे।

आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा खिलाते हुए धरे गए पांच छात्र, शराब की बोतलें बरामद

देहरादून। आईपीएल मैचों में ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले पांच छात्रों को कैंट कोतवाली व एसओजी की टीम ने गिरफ्तार किया है। महंगे शौको को पूरा करने के लिए आरोपितों ने सट्टेबाजी का रास्ता चुना। एसपी सिटी सरिता डोबाल ने बताया कि सोमवार रात को सूचना मिली कि पंडितवाडी क्षेत्र में सद्भावना कुंज के पास एक मकान में कालेज के कुछ छात्र आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा लगा रहे हैं।सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी डालनवाला अभिनव चौधरी के देखरेख में कोतवाली कैन्ट व एसओजी की संयुक्त टीम ने उक्त घर पर दबिश दी। इस दौरान आदित्य उम्र 23 वर्ष निवासी जिला बेगूसराय(बिहार) , प्रणव कुमार डालर निवासी जिला वैशाली बिहार(20 वर्ष), आमिर प्रसाद निवासी जिला बेगूसराय बिहार(20 वर्ष), सत्यम निवासी निवासी जिला बेगूसराय बिहार(23 वर्ष) और हर्ष कुमार निवासी जिला बेगूसराय को गिरफ्तार किया।उनके पास से तलाशी लेने पर पुलिस टीम को आरोपितों के पास से 70 बोतल अंग्रेजी शराब हरियाणा व चंडीगढ़ मार्का भी बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित

ऑनलाइन सट्टे में इस्तेमाल किये जा रहे सात मोबाइल फोन, 14 एटीएम कार्ड, रजिस्टर, 23 हजार रुपये नगद व अन्य समान बरामद किया गया। मकान की आदित्य ने बताया गया कि वह सभी मूलरुप से बेगूसराय बिहार के रहने वाले है तथा देहरादून में रह कर अलगअलग कॉंलेजो से पढाई कर रहे है ।

खोया ब्रीफकेस बरामद कर पर्यटक के घर भिजवाया

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। विगत दिवस कानपुर से आए पर्यटक का ऑटो में छूटे बैग को पुलिस ने बरामद कर पर्यटक के घर भिजवाकर सराहनीय कार्य किया है। जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल को शाम लगभग सात बजे कानपुर निवासी पर्यटक रिक्की गुप्ता हल्द्वानी स्थित सीसीटीवी ही कंट्रोल रूम आये और

उन्होंने बताया कि वह अपने साथी संग नैनीताल घूमने आये थे। वापसी के दौरान हल्द्वानी में उनका ब्रीफकेस ऑटो में छूट गया। जिसमें जरूरी कागजाद एवं कीमती सामान था। सूचना मिलने पर सभी सीसीटीवी स्टाफ द्वारा लगातार फुटेज चौक किया गया। ऑटो का नंबर स्पष्ट न होने के कारण काफी मेहनत के बाद सीसीटीवी टीम को आखिरकार 24 अप्रैल को सफलता प्राप्त हुई एवं पर्यटक गुप्ता को इस संदर्भ में सूचित किया गया। ब्रीफकेस बरामदगी की खबर सुनकर रिक्की गुप्ता ने पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया। गुप्ता जी के अनुरोध के अनुसार बरामद ब्रीफकेस को शताब्दी बस के मैनेजर शुभम शर्मा को सुपुर्द कर, कानपुर भेजा गया। ब्रीफकेस बरामद करने वाली टीम में हेका. प्रमोद जोशी, का. गुलशन गिरी, रोहित कुमार, राजेंद्र बिष्ट व होमगार्ड महेश उपाध्याय शामिल थे।

वीडियो कॉल कर गर्लफ्रेंड के सामने ही फंदे पर झूल गया छात्र

देहरादून। युवती से बातचीत बंद होने से खफा बीटेक के एक छात्र ने उसे वीडियो कॉल लगाई और उसके सामने ही फांसी पर झूल गया। छात्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला था और एक युवती से प्यार करता था। कुछ दिन पहले ही युवती ने उसे ब्लॉक कर दिया था। पुलिस ने छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुभम पुत्र रविंद्र प्रताप सिंह निवासी मुजफ्फरपुर बिहार प्रेमनगर क्षेत्र के तुलाज इंस्टीट्यूट से बीटेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। वह काफी दिनों से एक युवती से प्यार करता था। लेकिन, कुछ दिन पहले दोनों में बातचीत बंद हो गई।इस पर युवती ने उसे ब्लॉक कर दिया। इस बात से वह काफी परेशान रहने लगा। शुभम क्षेत्र के एक हॉस्टल में अपने साथी के साथ रहता था। उसका साथी रात में खाना खाने के बाद बाहर घूमने चला गया। इसके बाद शुभम ने अपने स्टेटस पर हाथ की नस काटने की फोटो लगाई और युवती से प्यार करने की बात लिखी।युवती ने तो ब्लॉक किया हुआ था लेकिन यह स्टेटस उसकी दोस्तों ने देख लिया। यह बात उन्होंने इस युवती को बताई तो उसने अनब्लॉक किया और शुभम को फोन लगाया। युवती ने शुभम से इस तरह की हरकत न करने को कहा। युवती ने कहा कि इस तरह से तुम उसे ब्लैकमेल कर रहे हो।इस बात पर शुभम और भी ज्यादा गुस्सा हो गया। उसने शायद पहले से ही तैयारी की हुई थी। उसने पास में रखी एक रस्सी ली और पंखे से बांधकर फांसी लगा ली। घबराई युवती ने उसके साथी को फोन किया। साथी जब तक पहुंचता तब तक वह फंदे पर लटक गया। अन्य साथियों ने पुलिस को फोन किया और दरवाजा तोड़कर शुभम के शव को फंदे से उतारकर ग्राफिक ऐरा अस्पताल पहुंचाया। लेकिन, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसओ प्रेमनगर पीडी भट्ट ने बताया कि इस मामले में उसके साथियों से पूछताछ की गई है। शुभम के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उसके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। मामले में जांच की जा रही है।

काला फीता बांधकर डिप्लोमा फार्मासिस्टों ने किया विरोध प्रदर्शन

बागेश्वर (उद संवाददाता)। डिप्लोमा फार्मासिस्ट ऐसोसिएशन सरकार द्वारा अपनी लंबित मांगों का निराकरण नहीं होनेसे नाराज है, सरकार पर पूर्व में हुई वार्ता में कर्मियों के साथ ठगी करने केआरोप लगाए,जिसके बाद फार्मेसिस्ट आंदोलन पर है। उन्होंने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। कहा कि मांगें पूरी होने तक वह आंदोलन जारी रखेंगे।संगठन के जिलाध्यक्ष आरएस कपकोटी के आह्वान पर सीएमओ कार्यालय, जिला अस्पताल और अन्य अस्पतालों में तैनात फार्मासिस्टों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि आईपीएचएस मानक में पद कम हैं। सीएमओ के अंडर 63 पद वीआइपी ड्यूटी

ले लिए एक्टिवेट थे। वो अभी तक स्वीकृत नहीं हुए हैं। इन मांगों को लेकर उनका विरोध चल रहा है। उन्होंने कहा की सरकार द्वारा कर्मचारियों की उपेक्षा की जा रही है। 28 अप्रैल तक काला फीता बाधकर विरोध प्रर्दशन किया जाएगा। 29 अप्रैल से दो घंटे कार्य बहिष्कार किया जाएगा। उन्होंने हक हमारा है मांग हमारी जायज है, मान जाओ मांग हमारी, अपना हक ले के रहेंगे का नारा बुलंद किया। इस मौके पर हरि प्रसाद, हरीश सिंह ऐठानी, बचे सिंह खाती, पीसी तिवारी, अनीता रावल, आरएस कपकोटी, कमलेश कुमार, प्रेमा साह, राजेश जोशी, सुरेंद्र शाही, हेमवंती नंदन, आरसी आर्या, राजेंद्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

ANANT GRAPHICS
Anant Graphics
All Kinds of Printing Solution...
We Deals In
Price | Time | Quality
Pamphlets | Business Cards | Posters Stickers | Letterheads | ID Cards | Perfect Binding | Catalogues
Cold Lamination | Brochures | Die-Cutting | Thermal Lamination | Labels | Eco Vinyl Printing
More information call us 98377 77818
Add:- Uttaranchal Darpan Campus, Shyam Talkies Road, 26 Kalyani View, Rudrapur
E-mail : anantgraphics.rdr@gmail.com

मंत्रियों को मिले एसीआर लिखने का अधिकार : महाराज

देहरादून(उद संवाददाता)। पिछले दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में सतपाल महाराज ने एसीआर लिखने का मुद्दा उठाया था। जिसके बाद सीएम धामी ने अगली कैबिनेट की बैठक में मुख्य सचिव को इसका प्रस्ताव लाने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों के विरोध के बाद इस मामले को लेकर माहौल गरमा गया है।सतपाल महाराज ने एसीआर लिखने के मामले में फिर से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक बार फिर एसीआर लिखने का अधिकार मांगा है। इसकी मांग करते हुए मंगलवार को जारी अपने बयान में उन्होंने कहा है कि अन्य राज्यों में मंत्रियों को एसीआर लिखने का अधिकार है। उत्तराखंड में भी पूर्ववर्ती एनडी तिवारी सरकार में मंत्रियों को अधिकारियों की एसीआर लिखने का अधिकार था। तो इस परिपाटी को पुनः लागू करने में किसी को क्या परेशानी हो सकती है। एसीआर लिखने के मामले में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य की अधिकांश जनता चाहती है कि अन्य राज्यों की तरह ही यहां भी मंत्रियों को अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट पर अपना मंतव्य अंकित करने का अधिकार मिले। ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता के साथ साथ सही प्रकार से विभागों की समीक्षा की जा सके। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा

कि हमने पंचायती राज विभाग में ब्लाक प्रमुख को खंड विकास अधिकारी की और जिला पंचायत अध्यक्ष को सीडीओ की एसीआर लिखने के पूर्व में हुए शासनादेश को भी पुनः लागू किया है। ताकि पंचायतों में होने वाले विकास कार्य में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगने के साथ-साथ गुणवत्ता युक्त कार्य किए जा सके। इसलिए मेरा कहना है कि जो परिपाटी पूर्व में रही है उसे लागू करने में संकोच नहीं होना चाहिए।उन्होंने कहा कि यह तो निर्विवाद है कि मंत्री विभाग का मुखिया होता है इसलिए उसका मंतव्य अंकित होना आवश्यक है। अगर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव का मंतव्य अंकित हो रहा है तो मंत्री का भी अंकित होना चाहिए। ये सही है कि इस व्यवस्था में मुख्यमंत्री एक्सेप्टिंग अथॉरिटी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मंत्री अपना मंतव्य अंकित नहीं कर सकता। महाराज ने उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई मुकदमा चलता है तो लोअर कोर्ट, सेशन कोर्ट और हाई कोर्ट इन सब का मंतव्य उसमें आता है। बाद में सुप्रीम कोर्ट चाहे जो भी निर्णय ले। इसलिए मेरा कहना है की व्यवस्था की जो एक कड़ी बनी है वह टूटनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री कैबिनेट बैठक के बाद हुई बैठक में इस पर अपनी सहमति व्यक्त कर चुके हैं। जब सभी अपनी सहमति व्यक्त कर चुके हैं तो इस व्यवस्था को लागू करने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए। यह कोई नई बात नहीं कही जा रही है। यह तो व्यवस्था का एक हिस्सा है। एसीआर लिखने का यह आशय बिल्कुल नहीं है कि मंत्री अपने अधीनस्थ अधिकारी के विरुद्ध ही कुछ लिखेगा। जो अधिकारी अच्छा काम करेंगे उनके चरित्र प्रविष्टि पर अच्छा ही अंकित किया जाएगा। इसलिए जब सचिव अपने से नीचे के अधिकारियों की एसीआर लिख सकता है तो विभागीय मंत्री उस विभाग का मुखिया होने के नाते अपने नीचे काम कर रहे सचिव की एसीआर क्यों नहीं लिख सकता है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

'आपरेशन कावेरी'

केंद्र सरकार ने तीन हजार से ज्यादा भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालने के लिए आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिए हैं। सूडान में जारी गृह युद्ध के बीच हालात जिस कदर बिगड़ते जा रहे हैं, उसमें उसके तुरंत खत्म होने के आसार फिलहाल नहीं नजर आ रहे। इसलिए स्वाभाविक ही सबकी चिंता यह है कि वहां की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण संघर्ष की चपेट में आम नागरिक न आएं और दूसरे देशों के नागरिक जिस भी रूप में रह रहे हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला जाए। इस टकराव के हिंसक होने के साथ ही भारत ने सावधानी के तौर पर कई दिन पहले से ही अपने नागरिकों के बचाव और उन्हें वहां से सुरक्षित वापस लाने के लिए जरूरी पहल कर दी थी। मगर अब 'आपरेशन कावेरी' के तहत अपने जहाज और विमानों के जरिए वहां फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया गया है।केंद्र सरकार ने तीन हजार से ज्यादा भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालने के लिए आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इस बात की जरूरत तुरंत इसलिए भी थी कि सूडान में फिलहाल दोनों पक्षों के बीच टकराव जो शक्ल लेता जा रहा है, उसमें हालात के और बिगड़ने की ही आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच सत्ता पर कब्जे के लिए चल रहे संघर्ष में अभी तक चार सौ से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर आ चुकी है और लगभग चार हजार लोग घायल हुए हैं। त्रासदी यह है कि इस हिंसा की सबसे बड़ी कीमत बच्चे और महिलाएं चुका रही हैं, जिनकी जिंदगी एक तरह से दांव पर है। खुद वहां की सरकार का कहना है कि कई जगहों पर स्वास्थ्य सुविधाओं ने काम करना बंद कर दिया है और बाकी के बंद होने का खतरा है। जाहिर है, अव्वल तो सीधे संघर्ष में जान गंवाने वाले आम लोगों के अलावा अगर कोई घायल हो गया तो उसके सामने भी खुद को जिंदा बचा पाने की चुनौती खड़ी हो गई है।जबकि चारों ओर बंदूकों और बमों के सीधे हमले के बीच मारे जाने या घायल होने वालों से इतर इस त्रासदी के सदमे और अन्य शारीरिक प्रभावों की जद में आए लोगों के इलाज की सख्त जरूरत है। अगर यह लड़ाई लंबी खिंची तो ज्यादा चिंता इस बात की जताई जा रही है कि आम लोगों के पास भोजन और पानी का संकट खड़ा हो जाएगा और सीधे युद्ध के अलावा अन्य प्रभावों की वजह से भी बड़ी तादाद में लोगों की जान जा सकती है। ऐसे में भारत से वहां अलग-अलग वजहों से गए लोगों की स्थिति क्या हो सकती है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि इसके अलावा भी कच्चे तेल का आपूर्ति करने और इस तरह ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में सूडान से भारत के आर्थिक हित जुड़े हुए हैं, लेकिन भारत के लिए प्राथमिक चुनौती अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालना है। दूसरे कई देशों के अलग-अलग हित भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं और लोग जोखिम में हैं। सवाल है कि एक देश में जारी गृह युद्ध के बीच आम और निर्दोष लोगों की बड़ी तादाद जिंदगी बचाने के जद्दोजहद से गुजर रही है तो ऐसे में वैश्विक समुदाय की क्या जिम्मेदारी बनती है! निश्चित रूप से सूडान से बाहर के सभी देशों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे अपने नागरिकों को सुरक्षित वहां से निकालें। लेकिन शायद जरूरत इस बात की भी है कि संयुक्त राष्ट्र से लेकर अन्य ताकतवर देश तेल, सोना या यूरेनियम की वजह से वहां की सत्ता पर कब्जे के लिए जो गृह युद्ध चल रहा है, उस पर तत्काल विराम लगाने और किसी समझौते या हल तक पहुंचने का रास्ता तैयार करें।

एई जेई पेपर मामले में एसआईटी जल्द दाखिल करेगी चार्जशीट

देहरादून। चर्चित एई और जेई की लिखित भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण में शामिल आरोपियों के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) चार्जशीट न्यायालय में दाखिल करने जा रही, जबकि बीते सात अप्रैल को पटवारी भर्ती पेपर लीक प्रकरण में 60 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है।माना जा रहा कि एई-जेई मामले की चार्जशीट में आरोपियों की संख्या पटवारी से काफी अधिक हो सकती है। संभवतया इसी सप्ताह न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी जाएगी। 12 जनवरी को पटवारी की भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक प्रकरण का खुलासा किया गया था।एसटीएफ ने लोक सेवा आयोग के निलंबित अधिकारी संजीव चतुर्वेदी, उसकी पत्नी रितु चतुर्वेदी, चिकित्सक राजपाल और उसका भतीजा पॉलीटेक्निक शिक्षक संजीव कुमार उर्फ संजीव दुबे सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सातों आरोपियों की मुख्य भूमिका थी।जांच के दौरान ही सहायक अभियंता (एई) एवं अवर अभियंता (जेई) के पेपर लीक होने का भंड़ाफोड़ हुआ। तीन फरवरी को कनखल थाने में लोक सेवा आयोग के दूसरे अनुभाग अधिकारी संजीव कुमार, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय धारीवाल सहित करीब नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।संजीव चतुर्वेदी उसकी पत्नी रितु और राज्यपाल एवं संजीव कुमार दुबे आदि आरोपी पहले से ही पटवारी पेपर लीक प्रकरण में जेल जा चुके थे। इस पेपर लीक में भी इनकी मुख्य भूमिका थी। दोनों प्रकरण में करीब 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसआईटी ने बीते सात अप्रैल को जेल में बंद 20 आरोपी और 40 अभ्यर्थियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी।85 दिन के अंदर एसआईटी ने चार्जशीट कोर्ट में भेज दी थी, जबकि एई-जेई मामले की जांच जारी थी, लेकिन अब मामले में भी चार्जशीट की तैयारी कर ली गई है। इसमें आरोपियों की संख्या पटवारी पेपर लीक मामले से अधिक होनी तय मानी जा रही है। जिन आरोपियों के नाम पटवारी पेपर लीक मामले में कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में हैं, उनमें से कइयों के नाम एई-जेई पेपर लीक मामले में भी होंगे। आरोपियों ने दोनों ही परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक कर बाजार में उतारे थे।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन की टीम जोशीमठ प्रभावितों से मांगे सुझाव

चमोली। 15 सदस्यीय टीम 22 अप्रैल को जोशीमठ पहुंची थी। टीम के सदस्यों ने जिला प्रशासन के साथ ही आपदा प्रभावितों के साथ बैठक कर आपदा पर उनके सुझाव लिए। टीम के सदस्यों ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आवाज और पुनर्वास, स्थानीय अवसंरचना, सार्वजनिक भवन, नागरिक सुविधाओं, पेयजल, सफाई, पर्यटन, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, रिकवरी कंस्ट्रक्शन पर रिपोर्ट तैयार की है। आपदा के बाद जोशीमठ की स्थिति का आंकलन करने के लिए पहुंची पीडीएनए की टीम रिपोर्ट लेकर बुधवार यानि आज लौट जाएगी। पीडीएनए की 15 सदस्यीय छह टीमों ने जोशीमठ के सुनील से लेकर मारवाड़ी और रविग्राम तक आपदा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर पानी, सड़क, भूखंड व पर्यटन को हुए नुकसान पर रिपोर्ट तैयार की है। अब टीम इस रिपोर्ट को केंद्र सरकार के सम्मुख रखेगी।अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि पीडीएनए की छह टीमें गठित की गई हैं। अलग-अलग विषयों में निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की गई है। टीम आज लौट जाएगी और अपनी रिपोर्ट को सरकार के सम्मुख रखेगी।

नहीं रहे कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास, शोक की लहर

देहरादून/ बागेश्वर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री बागेश्वर के लोप्रिय विधायक श्री चंदन राम दास अब नहीं रहे। लंबे समय से बीमारी के चलते आज बुधवार को उनका निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बागेश्वर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली है। उनके आकस्मिक निधन की खबर से पार्टी सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड सरकार में कैबिनेट मंत्री श्री चंदन राम दास जी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास के निधन पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुख जताते हुए कहा कि मंत्रिमंडल में मेरे वरिष्ठ सहयोगी चंदन राम दास के आकस्मिक निधन के समाचार से स्तब्ध हूं। उनका निधन जनसेवा एवं राजनीति के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं परिजनों व समर्थकों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। चंदन राम दास का राजनीतिक करियर 1980 में शुरू हुआ। वह 1997 में नगर पालिका बागेश्वर के निर्दलीय अध्यक्ष बने। इससे पूर्व एमबी डिग्री कालेज हल्द्वानी में बीए प्रथम वर्ष में निर्विरोध संयुक्त सचिव बने। 1980 से राजनीति जीवन की शुरुआत की। 2006 में पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी की प्रेरणा पर भाजपा में शामिल हुए। 2007, 2012, 2017 और 2022 में वह लगातार चौथी बार विधायक चुने गए थे।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर राज्यपाल ने दी बधाई

देहरादून (उद संवाददाता)। मंगलवार को श्री केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिये गये हैं। श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने सभी श्रद्धालुओं का देवभूमि आगमन पर स्वागत करते हुए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बाबा केदार से सभी यात्रियों की सुगम, सफल और सुरक्षित यात्रा की कामना की है। राज्यपाल को आज केदारनाथ धाम में दर्शन हेतु पहुंचना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनके हेलीकॉप्टर को गौरीकुंड से वापस लौटना पड़ा।

तीर्थंकर आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में पांच दिनी स्काउट गाइड कैंप का समापन

मुरादाबाद (उद ब्यूरो)। डायरेक्टर स्टुडेंट्स वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह ने नई शिक्षा नीति-2020 पर बोलते हुए कहा, वर्तमान समय परिवर्तन का समय है, जिसमें शिक्षकों, भावी प्रशिक्षकों, छात्रों को समय के साथ स्वयं को अपडेट करते हुए आगे बढ़ना होगा। प्रो. सिंह तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी की ओर से तीर्थंकर आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के पांच दिनी स्काउट गाइड कैंप के समापन मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पूर्व डायरेक्टर स्टुडेंट्स वेलफेयर प्रो. एमपी सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि, तीर्थंकर आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. रत्नेश जैन, टिमिट प्राचार्या डॉ. कल्पना जैन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या डॉ. रश्मि मेहरोत्रा, कुन्थनाथ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनोद जैन, प्रेम प्रकाश कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अशोक लखेरा आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सभी मुख्य एवम् विशिष्ट अतिथियों को श्रीफल एवं रुमाल भेंट करके सम्मानित किया गया। मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए। बीएलएड की छात्राओं ने भारतीय संस्कृति का अनुसरण करते हुए स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य प्रो. रश्मि मेहरोत्रा ने बताया, हर एक के जीवन में अनुशासन सबसे महत्पूर्ण चीज है। बिना अनुशासन के कोई भी एक खुशहाल जीवन नहीं जी सकता है। कुछ नियमों और कायदों के साथ यह जीवन जीने का एक तरीका है। तीर्थंकर आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन क प्राचार्य डॉ. रत्नेश जैन ने कहा, स्काउट गाइड मात्र बालकों को प्रशिक्षण देने वाला केंद्र नहीं वरन् वह बालकों को- अनुशासित जीवन जीना, मानवता का पालन करना तथा राष्ट्रप्रेम और प्रकृति प्रेम को सर्वोपरि बनाना सिखाता है। अंत में स्काउट एवं गाइड द्वारा बनाए गए टेंट का अतिथियों द्वारा निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्काउट गाइड कैंप के निर्देशक गौरव सक्सेना एवं अक्षत सक्सेना भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विनय कुमार, धर्मेंद्र सिंह, श्रीमती पायल शर्मा आदि भी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. नम्रता जैन और श्रीमती पायल शर्मा ने किया।

परिवहन विभाग की साइट में आई खराबी नहीं बन पा रहे ट्रिप कार्ड

ऋषिकेश। परिवहन विभाग की वेबसाइट में टैक्स अपडेट होने में समय लग रहा है। इस वजह से वाहनों के ट्रिप कार्ड बनाने में दिक्कतें आ रही हैं। अधिकांश वाहनों को तीन के बजाय मात्र दो धामों का ट्रिप कार्ड बनाकर रवाना किया जा रहा है। परिवहन विभाग की ट्रिप कार्ड बनाने वाली वेबसाइट में मई का टैक्स अपडेट नहीं हो हुआ है। केवल अप्रैल तक का टैक्स प्रदर्शित होने से दो धामों के ही ट्रिप कार्ड बन रहे हैं। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों को परेशानी हो रही है। ट्रांसपोर्टर नवीन भट्ट, रवि जैन, अजय बधानी आदि ने बताया कि वाहन स्वामी मई का टैक्स जमा कर रहे हैं इसके बावजूद वेबसाइट पर प्रदर्शित नहीं हो रहा है। इसे अपडेट होने में दो-तीन दिन लग जाएंगे। यात्रा की एक ट्रिप की अवधि 10 दिन की होती है, जो फिलहाल तीन मई तक हो रही है। ट्रांसपोर्टर नवीन भट्ट ने बताया कि दूसरा ट्रिप कार्ड बनाने के लिए पहली यात्रा को ऑनलाइन ब्लॉक करना पड़ता है, लेकिन बेवसाइट पर पुरानी यात्रा को ब्लॉक करने का विकल्प नहीं आ रहा है। मई का टैक्स अपडेट होने में देर लगने और पुरानी यात्रा को ब्लॉक न कर पाने से दो धामों का ट्रिप कार्ड बन पा रहा है। इस ट्रिप की समयावधि तीन मई को पूरी होने के बाद ट्रांसपोर्टरों को दूसरा ट्रिप कार्ड बनाने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

डीएम और एसएसपी ने किया यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण

रूद्रप्रयाग। जिलाधिकारी चमोली व पुलिस अधीक्षक चमोली द्वारा किया गया चारधाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण, चारधाम यात्रा हेतु की गयी व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा। मंगलवार को जलाधिकारी चमोली श्री हिमांशु खुराना एवं पुलिस अधीक्षक चमोली श्री प्रमेन्द्र डोबाल महोदय द्वारा चारधाम यात्रा सड़क मार्ग का भ्रमण कर यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का

जायजा लिया गया। इस दौरान यात्रा रुट पर जुटाई गयी आधारभूत सुविधाओं (शौचालय, पानी, मेडिकल, एटीएम, विश्राम गृह आदि) निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। यात्रा रुट पर मुख्य पड़ावों व दुर्घटना सम्भावित/संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर सम्बन्धित विभागों को वहां पर व्यवस्थायें दुरस्थ करने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी चमोली व पुलिस अधीक्षक चमोली महोदय द्वारा चारधाम रुट पर पड़ने वाले पर्यटन पुलिस चौकियों, ड्यूटी प्वाइंट, यात्री पंजीकरण केन्द्र आदि का भौतिक निरीक्षण कर वहाँ पर कर्मचारियों की रहने व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा यात्रा से जुड़े सभी विभागों एवं एजेंसियों को सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध यात्रा के सम्बन्ध में समुचित दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग श्री अमित सैनी व अधिकारी मौजूद रहें।

पश्चिम बंगाल के बुजुर्ग तीर्थयात्री की हार्ट अटैक से मौत

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के चौथे दिन गंगोत्री धाम की यात्रा पर आए पश्चिम बंगाल के एक बुजुर्ग यात्री की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप कुमार पुत्र परमार्थ नाथ विश्वास(75) निवासी गिरीश घोष रोड, डी ब्लाक बेलूरमठ हावड़ा पश्चिम बंगाल मंगलवार को गंगोत्री धाम की यात्रा के लिए आए थे। वह जनपद मुख्यालय से एक किमी आगे उजेली के एक आश्रम में रुके हुए थे। दिन में उनके सीने में दर्द होने के कारण बेहोश हो गए। जिसके बाद आश्रम के कर्मचारी और उनके साथियों ने उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने प्रदीप कुमार को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि यात्री की मृत्यु हृदय गति रुकने के कारण हुई है।

कार के अंदर संदिग्ध हालत में युवक का शव बरामद

टिहरी। नरेंद्रनगर के धौलापाणी के पास कार के अंदर संदिग्ध हालात में एक शव मिला। तलाश कर रहे युवक के परिजनों के साथ पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। युवक उस समय बेहोशी की हालत में था। युवक को श्रीदेव सुमन संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया।जानकारी के मुताबिक थानाध्यक्ष नदीम अहतर ने बताया कि आदर्श नगर निवासी ऋषिकेश के कपड़ा और टाइल्स व्यापारी राजीव सिंघल का पुत्र यस सिंघल (27) सोमवार सुबह 11 बजे के आसपास अपने घर से सहारनपुर जाने की बात कहकर निकला था। कुछ देर बाद ही यस का मोबाइल फोन बंद हो गया। कई देर तक मोबाइल बंद मिलने से चिंतित परिजनों ने उसके मोबाइल की लोकेशन चेक की तो वह नरेंद्रनगर के आसपास मिली।युवक के परिजन उसे तलाशते हुए धौलापाणी पहुंचे। वहां यस अपनी गाडी के अंदर संदिग्ध अवस्था में बेहोश पड़ा मिला। युवक को नरेंद्रनगर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक थानाध्यक्ष ने बताया कि कार में उल्टी कर रखी थी। जिससे उसकी मौत जहर पीने के कारण हो सकती है।हालांकि कार से जहर संबंधी कोई सामग्री नहीं मिली है और ना ही कार से कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ। युवक के परिजनों ने भी बताया कि जब यस घर से निकल था उसका किसी से भी कोई झगड़ा नहीं हुआ था। सब कुछ सामान्य था। परिजनों ने बताया की यस की पत्नी भी इन दिनों अपने मायके गई हुई है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असल कारण का पता लग पाएगा। हालांकि इस मामले में अभी तक परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

प्रॉपर्टी डीलर ने की आत्महत्या, पत्नी व भाईयों पर उकसाने का आरोप

देहरादून(उद संवाददाता)। पटेलनगर स्थित एक होटल में आत्महत्या करने वाले प्रापर्टी डीलर की पत्नी पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में मृतक के भाई साजिद अहमद निवासी ब्रह्मपुरी ने दी तहरीर में कहा कि छोटे भाई कासिम अहमद का निकाह 19 नवंबर 2015 को छुटमलपुर, सहारनपुर की रहने वाली आयशा से हुआ था। कासिम ने देहरादून स्थित अपना मकान रहने के लिए दूसरे भाई को दे दिया। आयशा ने देहरादून के इस मकान को अपने नाम कराने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। 14 अप्रैल 2023 को आयशा ने अपने भाइयों मुस्तकीम, मुर्सलीन उर्फ पप्पू तसलीम व तनजीम को देहरादून बुला लिया और कासिम पर ससुराल पक्ष की प्रापर्टी से हिस्सा मांगने का दबाव बनाया। कासिम ने जब आयशा के नाम प्रॉपर्टी करने से इनकार कर दिया तो कासिम की पिटाई कर दी। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। 18 अप्रैल को कासिम ने होटल क्राउन रायल के कमरे में जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

लैपटॉप चुरा रहे युवक को दबोचा

रुद्रपुर। नारायण कॉलोनी, ट्रांजिट कैंप निवासी गौरव गंगवार ने तहरीर में बताया कि रविवार रात वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। देर रात एक युवक उनके घर में घुस कर लैपटॉप चुराने का प्रयास करने लगा। उसने युवक को रंगेहाथ पकड़ लिया और थाने ला कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम ट्रांजिट कैंप निवासी रवि बताया। ट्रांजिट कैंप एसएचओ सुंदरम शर्मा का कहना है कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पेज एक का शेष...

देव डोलियां पहुंची ...बैंड धुनों के साथ रावल के साथ ही अन्य वेदपाठी, गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा और आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी को पांडुकेश्वर के लिए रवाना किया गया। इस दौरान मंदिर में पहुंचे भक्तगणों ने नृसिंह भगवान से चारधाम यात्रा के निर्विघ्न संपन्न होने की मनौतियां मांगी। महिलाओं ने कीर्तन-भजन का आयोजन भी किया। इस मौके पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष किशोर पंवार, पूर्व पालिकाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, विपुल डिमरी, सुभाष डिमरी, कृष्णमणि थपलियाल आदि मौजूद रहे।

सामिया बिल्डर्स पर... की कीमत अब 12 लाख हो गयी है और 12 लाख रूपये जमा करने पर फ्लैट दिया जायेगा। जबकि अनुबन्धपत्र में फ्लैट की कीमत 6,75,000 रूपये तय की गई थी।जब उसने समीर अहमद खाँ से अपने जमा रूपये वापिस माँगें तो वह टाल मटोल करने लगा। 9 अप्रैल 2023 को वह अपने के साथ सगीर अहमद खाँ से अपने जमा रूपये वापिस लेने गया तो उसने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गला रेतकर श्रमिक...फैल गई। पुलिस ने आरोपी हनीफ को हिरासत में ले लिया है। इधर, घटना की जानकारी पर रंजन की पत्नी अस्पताल पहुंची। पति को लहूलुहान देखकर उसकी भी तबियत बिगड़ गई। वह बेहोश हो गई। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक रंजन वर्षों से कस्बे में ही किराये का कमरा लेकर रहता था। उसके पांच बच्चे हैं। इनमें से एक बड़ी बेटी को शादी हो चुकी है। पिता की मौत से बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है।

बाइक खाई में गिरने ...कराया गया जिसमे सुशील निवासी बरेली घायल को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है तथा दूसरा व्यक्ति सुरेश निवासी बरेली को मृत घोषित किया गया है। इनके साथ दो अन्य व्यक्ति भी मोटरसाइकिल मे पर थे ये सभी केदारनाथ से दर्शन करके वापस रूद्रपयाग लौट रहे थे।

वाहन चोरों ने ...व्यक्ति चोरी कर ले गया। वहीं बृहमा स्वरूप पुत्र हरी चन्द निवासी शिवनगर ने दर्ज रपट में कहा है कि 24 अप्रैल की दोपहर उसने अपनी मोटर साईकिल संख्या यूके 06 बीडी 9689 को गांधी पार्क के पास यूको बैंक के समीप अपनी ठेली के पास खड़ी की थी। ठेली पर ग्राहक होने के कारण ध्यान हटने से वाहन की चाबी वाहन में ही रह गयी थी। कुछ देर बाद जब उसने अपने वाहन की तरफ देखा तो वहाँ से वाहन गायब था। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने वाहन चोरी के दोनों मामलों की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टैंपू यूनियन के..कि वह टैंपो यूनियन के अध्यक्ष हैं और समाज सेवा करते हैं,इसी लिए मजदूरों के समर्थन में आये हैं। इस बहस के बाद एडीएम ने सिडकुल पुलिस को सूचित किया वहां से पुलिस टीम ने पहुंचकर सुब्रत को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद विरोध में श्रमिक भी सिडकुल चौकी पहुंच गये उन्होंने इसे अन्याय बताते हुए कहा कि श्रमिकों की आवाज उठाने वालों की आवाज को प्रशासन कुचल रहा है। श्रमिकों ने सुब्रत को रिहा करने की मांग की।

एचटी लाईन में...भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। इधर जेई धीरज पंत ने बताया शटडाउन लिया गया था। करंट लगने की जांच की जा रही है। आखिर शटडाउन लेने के बावजूद लाइन में करंट कहां से आया।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

शाम ढलते ही मयखाने में तब्दील हो रहा हाईवे

कारों में बैठकर सजती है महफिल, सर्विस रोड पर वाहन पार्क होने से लगता है जाम

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। भले ही पुलिस शहर की कानून और यातायात व्यवस्था चाक चौबंद करने का दावा कर रही है, लेकिन शहर के गावा चौक के हालात इन दावों की हवा निकाल रहे हैं। शाम ढलते ही गावा चौक के किनारे सर्विस रोड मयखाने में तब्दील हो जाती हैं। यूं तो सार्वजनिक स्थल पर शराब शराब के शौकीनों का जमावड़ा लगा रहता है। शराब के शौकीन लोग ठेके के बाहर ही सर्विस लेन पर अपने वाहन खड़े कर देते हैं और वही पर पीने पिलाने का दौर शुरू हो जाता है जो देर रात तक जारी रहता है। कुछ लोग तो वाहनों से बाहर भी खुलेआम जाम छलकाते हैं। दिक्कत तब होती है जब यहां पर वाहन लगता ही है साथ ही दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। सर्विस रोड जाम होने के कारण आवाजाही में दिक्कत के चलते यहां पर वाहन चालकों के बीच आपस में नोंक झोंक आम बात हो चुकी है जो कभी भी किसी बड़े फसाद का कारण बन सकती है। यह हाल तब है कि जबकि गावा चौक महफिल सजने केचलते यहां से होकर गुजरने वाले मॉडल कालोनी, सूर्या इन्क्लेव, रेलवे कालोनी सहित तमाम कालोनियों के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही शराबियों के जमावड़े के चलते बहन बेटियों का निकलना भी दूभर हो रहा है। यही नहीं आस पास के दुकानदार भी इस

पीना अपराध है, लेकिन पुलिस की ढिलाई से खुलेआम हाईवे पर देर रात तक नियमों की धज्जियां उड़ाई जाती हैं। इसका खामियाजा आस पास के दुकानदारों और आस पास की कालोनियों में रहने वाले लोगों को भुगतना पड़ रहा है। गावा चौक के पास ही पिछले कुछ माह से शराब का ठेका संचालित किया जा रहा है। इस ठेके पर शाम के समय बड़ी संख्या में पार्क हो जाते हैं और पूरी सर्विस रोड जाम हो जाती है जिससे इस सर्विस रोड के जरिये आस पास की कालोनियों को आने जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्विस रोड को अवैध पार्किंग बनाने के साथ ही तमाम लोग ठेके से वापस लौटते समय रॉग साईड ड्राईव चौराहे तक पहुंचते हैं। जिसकी वजह से जाम तो पर अकसर पुलिस तैनात रहती है। साथ ही करीब 200 मीटर की दूरी पर ही पुलिस चौकी है। लेकिन पुलिस ने इस समस्या पर आंखे मूंद रखी है। सीपीयू शहर के कई हिस्सों में चालान काटती नजर आती है लेकिन गावा चौक पर यातायात व्यवस्था की हर दिन धज्जियां उड़ाने वालों पर सीपीयू की नजर नहीं पड़ती। गाव चौक पर शराबियों की समस्या से परेशान है। दरसअल शराब के ठेके पर शौकीनों का जमावड़ा लगने से कुछ दुकानदारों की तो चांदी कट रही है जबकि कई अन्य दुकानदारों को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।क्यों कि जाम और शराबियों के जमावड़े के चलते उनके पास ग्राहक नहीं पहुंचते। यही नहीं ठेके के सामने कुछ लोग खुलेआम शराब परोसते हैं।

गावा चौक पर हुए दर्दनाक हादसे से भी नहीं लिया सबक

रुद्रपुर। गावा चौक पर यातायात अव्यवस्था के चलते दो साल पहले जीजा साले की दर्दनाक मौत हो गयी थी। जुलाई 2021 को हस हादसे में में ट्राले ने बाइक सवार जीजा साले को अपनी चपेट में ले लिया था। हादसा इतना दर्दनाक था कि दोनों युवकों के शरीर के कई टुकडे सड़क पर बिखर गये। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसके बाद कुछ दिनों तक प्रशासन ने हादसे का संज्ञान लेकर गावा चौक पर यातायात व्यवस्था में सुधार किया। अब गावा चौक पर हालात फिर बदतर हो गये हैं। कहने को यहां पर ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था की गयी है लेकिन सिग्नल कभी कभार ही काम करता है। सिग्नकल काम करता भी है तब भी तमाम लोग इसका पालन नहीं करते क्यों कि सिग्नल का अनुपालन न करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती जिसके चलते लोग मनमानी करने में पीछे नहीं हटते। दूसरी तरफ चौक के बगल में ही शराब के ठेके के आगे खड़े होने वाले वाहन जाम का कारण बनने के साथ ही दुर्घटनाओं को भी दावत देते नजर आ रहे है। गावा चौक से भूरारानी की ओर जाने वाले वाहन भी सर्विस लेन से घूमकर जाने के बजाय जल्दी की चक्कर में रॉग साईड से वाहन ले जाते हैं जिसके चलते कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। यातायात पुलिस और सीपीयू इससे बेखबर है।

भाजपा नेता ने दी आंदोलन की चेतावनी

रूद्रपुर। भाजयुमो के पूर्व नगर अध्यक्ष एवं भाजपा नेता पवन अग्रवाल ने गावा के पास हाईवे पर अकसर लगने वाले जाम पर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शराब के ठेके के बाहर वाहन खड़े होने के कारण सर्विस लेन पूरी तरह से जाम हो जाती है, जिससे आने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आपत्ति जनताने पर सड़क पर शराब पीने वाले लोग अकसर लोगों से बदसलूकी करते हैं। जिससे यहां पर माहौल खराब हो रहा है और हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता है। भाजपा नेता ने कहा कि जल्द ही प्रशासन ने इस पर कार्रवाई नहीं की तो आस पास की कालोनियों के लोगों को लेकर आंदोलन किया जायेगा।

विद्यामंदिर क्लासेस का नेशनल एडमिशन टेस्ट 29 और 30 अप्रैल को

क्लास 5 से लेकर 11वीं तक के बच्चों के लिए टेस्ट

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। देश का लीडिंग इंस्टीट्यूट और जेईई व नीट एग्जाम की तैयारी का हब विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) अपना फ्लैगशिप टेस्ट कराने के लिए तैयार है। एडमिशन और स्कॉलरशिप के लिए वीएमसी का नेशनल एडमिशन टेस्ट इसी महीने 29 और 30 अप्रैल को कराया जाएगा। ये टेस्ट ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों मोड में होगा। इस टेस्ट का मकसद मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप देना और उन्हें बेहतर स्टडी के लिए तैयार करना है। ये टेस्ट उन बच्चों के लिए बूस्टर होता है जो जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं या करना चाहते हैं। ऐसे बच्चों को मेंटरशिप मिलती है, डाउट क्लीयर होते हैं, मोटिवेशनल सेशन होते हैं। वीएमसी के फाउंडर्स समेत टॉप फैकल्टी बच्चों के साथ इंटरैक्ट करती है, फ्री मॉक टेस्ट कराए जाते हैं, स्कूल और बोर्ड एग्जाम की प्रैक्टिस कराई जाती है। अभी जो बच्चे क्लास 5, 6, 7, 8, 9, 10 और 11 में पढ़ रहे हैं उनके पास इस टेस्ट में शामिल होने का चांस है। ये टेस्ट बच्चों के लिए विद्यामंदिर क्लासेज में खुद को एनरॉल कराने का एक बेहतर रास्ता है। नेशनल एडमिशन टेस्ट बच्चों को न सिर्फ 100 परसेंट स्कॉलरशिप पाने का मौका देता है बल्कि फ्री प्रैक्टिस टेस्ट, मॉक बोर्ड टेस्ट का भी मौका देता है। बच्चों को उनकी मौजूदा क्लास के लिए ई-स्टडी मटेरियल मिलता है। गर्ल स्टूडेंट और स्कूल टीचर्स के बच्चों को ट्यूशन फीस में 10 परसेंट की एक्स्ट्रा छूट दी जाती है। विद्यामंदिर क्लासेज के चीफ अकेडमिक ऑफिसर (सीएओ) सौरभ कुमार ने कहा, विद्यामंदिर क्लासेज का सबसे पहला मकसद बच्चों के अंदर साइंटिफिक और टेक्निकल नॉलेज का मजबूत फाउंडेशन तैयार करना है ताकि वो बेहतर इंजीनियर और डॉक्टर बन सकें। नेशनल एडमिशन टेस्ट का उद्देश्य शुरुआती स्टेज में ही बच्चों को इस लायक बनाना है कि वो आने वाली डिफिकल्टी को आसानी से क्रैक कर सकें। हमारे कोर्स में छात्रों को फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, बायो के बेसिक कंसेप्ट क्लियर कराए जाते हैं और उनके अंदर एनालिटिकल स्किल्स व समानांतर थिंकिंग प्रोसेस डवलप किया जाता है और उन्हें मुश्किल से मुश्किल प्रॉब्लम्स को क्रिएटिविटी के साथ सॉल्व करने के लिए सक्षम बनाया जाता है। क्लास 5,6,7 और 8 के छात्रों को नेशनल एडमिशन टेस्ट के अर्ली स्टार्ट एडवांटेज से लाभ होगा और मजबूत फंडामेंटल विकसित करने में मदद मिलेगी जो उन्हें (मेन एंड एडवांस)जेईई और नीट इंस्पायर -केवीपीवाई और ओलंपियाड समेत अन्य प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में बढ़त दिलाएगा। यहां छात्रों को स्कूल और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है, टॉप स्टाफ बेहतर टीचिंग टेक्निक के साथ बच्चों को भविष्य संवारते हैं। विद्यामंदिर क्लासेस के सीबीओ अभिषेक शर्मा ने कहा वीएमसी की टीचिंग का सबसे बड़ा फॉर्मूला ये है कि यहां अलग-अलग स्टेज के हिसाब से बच्चों की जरूरत के अकॉर्डिंग टीचिंग मेथोडोलॉजी अपनाई जाती है। अलग-अलग राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय एग्जाम्स में हमारे यहां के बच्चों की कामयाबी के पीछे भी ये एक बड़ा कारण है। वीएमसी बहुत ही एक्सपीरियंस टीचर्स के साथ बच्चों की प्रिपरेशन कराता है। जेईई और नीट जैसे एग्जाम की तैयारी का कम से कम 10 साल एक्सपीरियंस रखने वाली फैकल्टी वीएमसी में बच्चों को पढ़ाती है। जो छात्र आगे चलकर जेईई और नीट का एग्जाम पास कर देश के टॉप इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेज में एडमिशन पाना चाहते हैं उनके लिए वीएमसी का ये नेशनल एडमिशन टेस्ट बेहद अहम है। वीएमसी के फाउंडर्स समेत टॉप फैकल्टी इन क्लासेज और सेमिनार में हिस्सा लेंगे।

अपनी शादी के कार्ड बांटकर लौट रहे युवक और फुफेरे भाई की सड़क हादसे में मौत

किच्छा। अपनी शादी का कार्ड बांटकर शक्तिफार्म से लौट रहे बिजनौर के युवक और उसके फुफेरे भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। उनकी बाइक शहदौरा के पास सड़क पर खड़ी ट्रॉली से टकरा गई। पुलिस ने उनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि ग्राम हेमराजपुर जिला बिजनौर निवासी दिनेश कुमार के पुत्र देवकुमार (25) की दो मई को शादी होनी थी। मंगलवार सुबह देवकुमार अपनी शादी के कार्ड शक्तिफार्म और दिनेशपुर में बांटने के लिए बिजनौर से अपनी बुआ के बेटे मिथलेश कुमार (24) पुत्र नंदू के साथ बाइक पर निकला था। शक्तिफार्म में अपने रिश्तेदारों को कार्ड देने के बाद दोनों को रात में दिनेशपुर में रुककर बुधवार सुबह बिजनौर लौटना था। बताया जा रहा है कि शक्तिफार्म से लौटते वक्त उनकी बाइक शहदौरा से कुछ दूरी पर खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई और दोनों बुरी तरह से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर पुलभट्टा थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट मौके पर पहुंचे और दोनों को 108 एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस बीच उनके रिश्तेदार भी सीएचसी पहुंच गए। जानकारी के अनुसार दोनों ने हेलमेट पहन रखा था।

झपट्टामारों ने युवक से मोबाइल और नकदी छीनी

रुद्रपुर। फुलसुंगा ट्रांजिट कैंप निवासी विजय लोधी ने तहरीर में बताया कि वह सिडकुल की एक फैक्टरी में नौकरी करता है। शनिवार रात ड्यूटी से लौटते हुए अटरिया ढाल के पास दो युवकों ने मोबाइल फोन और 11,500 रुपये की नकदी छीन ली। गौरतलब है कि रूद्रपुर मे आये दिन लूट और झपट्टामारी की घटनाये बढ़ती जा रही है। किच्छा बाईपास मार्ग, शिवनगर खेड़ा,ट्रांजिट कैंप क्षेत्रों में कई शातिर युवक और असमाजिक तत्व सक्रिय होकर नशे की लत पूरी करने के लिये आये दिन अनजान लोगों को सायं के वक्त अपना शिकार बना रहे हैं। पुलिस की गश्त नहीं होने व सुस्त कार्यप्रणाली के चलते झपटमारों के हौसले बढ़ रहे हैं जिससे लोगों को जानमाल का खतरा बना हुआ है।

सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड पर अब सेना व पैरामिलिट्री अस्पतालों में मिलेगा मुफ्त इलाज

देहरादून। उत्तराखंड के आयुष्मान कार्ड धारकों को सेना और पैरामिलिट्री फोर्स के अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। केंद्र सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित 21 सैनिक और अर्धसैनिक अस्पतालों को आयुष्मान योजना में सूचीबद्ध कर दिया है। अभी तक इन अस्पतालों में कार्यरत सैनिकों, उनके आश्रितों और पूर्व सैनिकों को इलाज की सुविधा मिलती है। केंद्र सरकार ने इन अस्पतालों को आम लोगों को भी आयुष्मान कार्ड पर मुफ्त इलाज की सुविधा देने के लिए योजना में शामिल किया है। इस बारे में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ सेना, पैरामिलिट्री फोर्स के अधिकारियों की बैठक भी हो चुकी है। इन अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत चिकित्सा सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया भी चल रही है। पिथौरागढ़ में 7वीं वाहिनी आईटीबीपी मैरथी, यूनिट अस्पताल 14वीं बटालियन आईटीबीपी , चमोली में यूनिट अस्पताल प्रथम बटालियन आईटीबीपी, यूनिट अस्पताल सीटीसी एसएसबी सापरी, एमआईसी औली, एसएसबी अस्पताल ग्वालदाम, 8वीं बटालियन आईटीबीपी अस्पताल गौचर, नैनीताल में 34 वीं बटालियन आईटीबीपी हल्दूचौड़, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ काठगोदाम, 34वीं बटालियन आईटीबीपी यूनिट अस्पताल, ऊधमसिंह नगर जिले में ईएसआईसी अस्पताल रुद्रपुर, पौड़ी में यूनिट अस्पताल एसएसबी श्रीनगर, देहरादून में आईटीबीपी अस्पताल, चंपावत में 5वीं बटालियन एसएसबी , 36वीं बटालियन आईटीबीपी चंपावत, उत्तरकाशी में आईटीबीपी अस्पताल 35 वाहिनी, 12वीं बटालियन आईटीबीपी यूनिट अस्पताल, हरिद्वार में बीएचईएल अस्पताल, ऊधमसिंह नगर में 57वीं बटालियन एसएसबी सितारगंज, देहरादून में आईटीबीपी अकादमिक अस्पताल मसूरी, पिथौरागढ़ में यूनिट अस्पताल को सूचीबद्ध किया गया है। प्रदेश में आयुष्मान योजना के तहत 50.40 लाख कार्ड बन चुके हैं। आयुष्मान कार्ड पर 5 लाख तक मुक्त इलाज की सुविधा है। अब तक 7.36 लाख मरीजों को इलाज की सुविधा मिली है। इसमें 1352 करोड़ की राशि सरकार ने खर्च की है।

नवनियुक्त एसडीएम से मिला प्रेस क्लब का प्रतिनिधि मण्डल

गदरपुर(उद संवाददाता)। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल किया जायेगा। जनता की समस्याओं के निराकरण के लिए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किये गये है। मंगलवार को तहसील में नवनियुक्त एसडीएम आईएएस अनामिका ने गदरपुर प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों से वार्ता में कहे। उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जबाव देते हुए कहा कि कार्यालय में किसी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नही किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो भी भ्रष्टाचार या रिश्वत खोरी करता है तो उसकी शिकायत की जाये उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष जय किशन अरोरा के नेतृत्व में एसडीएम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया तथा तहसील परिसर में छायादार पौधे लगाने हेतु भेंट

किये गये। जिस पर एसडीएम द्वारा पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान अध्यक्ष अरोरा ने एसडीएम को आश्वासन दिया कि गदरपुर प्रेस क्लब प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगा। इस मौके पर प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र चावला, अमरजीत सिंह, विनोद वार्ता संपादक विनोद कुमार, मुकेश पाल, जसपाल डोगरा, सतीश बत्रा, सुरजीत बत्रा, उमर अली, अशोक छाबड़ा, गौरव बत्रा, अमित तनेजा, रतन लाल कम्बोज, देवेन्द्र सिंह, नवजोत सिंह आदि मौजूद थे।